संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 166
पृष्ठ 8
शनिवार
07 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पाचन रहेगा स्वस्थ इम्यूनिटी...

विचार- ईरान पर चुप्पी हमें शर्मसार करेगी

खेल- अक्षर का 24 मीटर पीछे दौड़कर...

पीएम मोदी ने किसान योजना का किया जिक्र

कृषि क्षेत्र के निर्यात को बढ़ाना जरूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्एग्रीकल्चर एंड रूरल ट्रांसफॉर्मेशनश विषय पर आयोजित पोस्ट–बजट वेबिनार को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ है। इसे अधिक प्रतिस्पर्धी व निर्यात उन्मुख बनाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों की आय और सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 10 करोड़ किसानों को पीएम किसान निधि योजना के तहत 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है। वहीं पीएम फसल बीमा योजना के अंतर्गत करीब 2 लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया गया है। इससे किसानों का जोखिम कम हुआ है और उन्हें बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है। मोदी ने कहा कि इस साल के बजट में उच्च मूल्य वाली कृषि पर विशेष जोर दिया गया है। क्षेत्र विशेष के उत्पादों जैसे नारियल, काजू, कोको और चंदन को बढ़ावा देने की बात कही गई है। उन्होंने बताया कि केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में नारियल के पुराने पेड़ों के कारण उत्पादन क्षमता प्रभावित हो रही है, इसलिए किसानों को अतिरिक्त लाभ दिलाने के लिए बजट में नारियल क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमालयी राज्यों में टेम्परर्ड नट फसलों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव बजट में शामिल किया गया है। इससे निर्यात उन्मुख उत्पादन बढ़ेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोसेसिंग व वैल्यू एडिशन के जरिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की विविध जलवायु और अलग–अलग कृषि–जलवायु क्षेत्रों का लाभ उठाकर कृषि को वैश्विक बाजार से जोड़ा जा सकता है। इसके लिए गुणवत्ता, ब्रांडिंग और मानकों को मजबूत करना जरूरी है ताकि भारतीय कृषि उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पध र्ा कर सकें। प्रधानमंत्री ने रासायनिक मुक्त और प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और ऑर्गेनिक तथा केमिकल–फ्री खाद्य उत्पादों की मांग बढ़ रही है। ऐसे में प्राकृतिक खेती भारत के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंचने का एक बड़ा अवसर बन सकती है। इसके लिए सरकार प्रमाणन और प्रयोगशालाओं जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के दूसरे चरण में प्रवेश के साथ कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करना जरूरी है। बजट में उत्पादकता बढ़ाने और निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा तय की गई है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि वेबिनार में आए सुझावों से बजट प्रावधानों को तेजी से लागू करने में मदद मिलेगी और कृषि तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

बोले उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

निर्यातकों को राहत देने के लिए सभी नीतिगत विकल्प अपनाएगी सरकार

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत सरकार घरेलू निर्यातकों को राहत देने के लिए सभी नीतिगत उपाय और समर्थन तंत्र का इस्तेमाल करेगी। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को यह भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि निर्यात से जुड़ी समस्याओं की रोजाना समीक्षा के लिए सरकार ने एक अंतर–मंत्रालयी समूह बनाया है। यह समूह निर्यातकों से नियमित रूप से बातचीत कर उनकी समस्याओं और फीडबैक को समझ रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही ऐसे उपायों को औपचारिक रूप देगी, जिससे निर्यातकों को राहत और भरोसा मिल सके। पश्चिम एशिया में हालिया घटनाओं और अमेरिका व इस्राइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमले के बाद उस क्षेत्र में माल भेजने में निर्यातकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गोयल ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय इस मुद्दे पर शिपिंग मंत्रालय और शिपिंग कंपनियों के साथ भी लगातार बातचीत कर रहा है, ताकि निर्यातकों की समस्याओं का समाधान निकाला जा सके। बढ़ते फ्रेट चार्ज के मुद्दे पर भी सरकार विकल्प तलाश रही है, जिससे निर्यातकों पर पड़ने वाला बोझ कम किया जा सके। दरअसल फ्रेट चार्ज वह शुल्क होता है, जो माल या सामान को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए लिया जाता है।

संजय राउत ने केंद्र सरकार को घेरा

विपक्षी नेताओं ने भी दागे तीखे सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीद के मामले में भारत को एक महीने की मोहलत दिए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस मुद्दे को भारत की विदेश नीति और राजनीतिक स्वतंत्रता से जोड़ते हुए कहा है कि किसी भी देश को यह तय करने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए कि भारत कब और कितना तेल खरीदे। मीडिया से बातचीत करते हुए संजय राउत ने कहा, यह बात समझ से परे है कि कोई दूसरा देश भारत को इस तरह परमिशन दे। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी अनुमति आमतौर पर एक ताकतवर देश अपने अध ीन या कमजोर देश को देता है। अगर भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए एक महीने की छूट दी गई है, तो इसका मतलब है कि हमारी विदेश नीति कहीं न कहीं दूसरे देश के इशारों पर चल रही है। उन्हों ंने इसे भारत की राजनीतिक स्वायत्तता के लिए एक चिंताजनक संकेत बताया।

संजय राउत ने आरोप लगाया कि रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका से अनुमति लेना यह दर्शाता है कि भारत अमेरिका के अधीन और गुलाम है। उन्होंने कहा, अब अमेरिका जो कहेगा भारत वही करेगा। विदेश नीति में हमारी कोई आवाज नहीं है, कोई भूमिका नहीं है। वहीं संजय राउत ने आगे कहा कि अगर देश को ऊर्जा की जरूरत है और रूस से तेल खरीदना फायदेमंद है, तो इस पर फैसला भारत सरकार को खुद करना चाहिए, न कि किसी दूसरे देश की मंजूरी के आधार पर। उन्होंने भारत के राजनीतिक नेतृत्व और सरकार से इस मामले में एक स्पष्ट और मजबूत रुख अपनाने की अपील की। इधर, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, ट्रेड डील के अनुसार हम आयात कर घटा रहे हैं और अमेरिका आयात कर बढ़ा रहा है। हमने ट्रेड डील में अमेरिका से वादा किया है कि हम कृषि के क्षेत्र में आयात कर हटाएंगे या घटाएंगे, तो वास्तविक है कि अमेरिका खुश होगा।

कांग्रेस ने साधा निशाना, जयराम रमेश बोले-

कब तक चलेगा ये ब्लैकमेल

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने अमेरिकी फैसले को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। अमेरिका की ओर से भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए अस्थायी छूट दिए जाने के बाद कांग्रेस ने इसे लेकर सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि आखिर यह अमेरिकी ब्लैकमेल कब तक चलता रहेगा। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक कवितानुमा पोस्ट में कहा कि ट्रंप का नया खेल, दिल्ली दोस्त को कहा, पुतिन से ले सकते हो तेल, कब तक चलेगा, यह अमेरिकी ब्लैकमेल। इस बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी भारत की मौजूदा विदेश नीति की आलोचना की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत की विदेश नीति देश की जनता की सामूहिक इच्छा से तय होनी चाहिए। उनके अनुसार यह नीति देश के इतिहास, भूगोल और सत्य व अहिंसा जैसे आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो हम आज देख रहे हैं वह कोई नीति नहीं है, बल्कि एक समझौता किए हुए व्यक्ति के शोषण का परिणाम है।

इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की विदेश नीति के कारण भारत लगातार कूटनीतिक क्षेत्र में अपनी जगह छोड़ता जा रहा है। ईरान के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच, अमेरिका ने रूसी तेल खरीद पर 30–दिवसीय अस्थायी छूट जारी करने की घोषणा की है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेस्सेंट ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प की ऊर्जा नीति के कारण तेल और गैस उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक बाजार में तेल का प्रवाह बनाए रखने के लिए, ट्रेजरी विभाग भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए एक अस्थायी 30–दिवसीय छूट जारी कर रहा है। बेस्सेंट ने स्पष्ट किया कि यह जानबूझकर अल्पकालिक उपाय रूसी सरकार को महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ प्रदान नहीं करेगा, क्योंकि यह केवल उन तेल के लेन–देन को अधिकृत करता है, जो पहले से ही समुद्र में फंसे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण भागीदार है, और वाशिंगटन को उम्मीद है कि नई दिल्ली अमेरिकी तेल की खरीद बढ़ाएगी। यह अस्थायी उपाय ईरान द्वारा वैश्विक ऊर्जा को बंधक बनाने के प्रयास से उत्पन्न दबाव को कम करेगा। यह ध्यान देने की बात है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगाया था। उस समय प्रशासन का तर्क था कि दिल्ली की खरीद रूस के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को बढ़ावा दे रही थी। पिछले महीने, अमेरिका और भारत ने व्यापार पर एक अंतरिम समझौते के लिए एक ढांचे पर पहुंचने की घोषणा की थी।

कोई देश खुद को नहीं कह सकता सर्वोच्च ताकत-जयशंकर

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज कोई भी देश पूरी तरह से हावी नहीं है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि 20वीं सदी के मध य से एक निश्चित विश्व व्यवस्था बनाए रखने की वैश्विक अपेक्षा श्अवास्तविकश थी, और अब शक्ति विभिन्न आयामों में काफी हद तक फैल गई है। रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने पिछले सात दशकों में वैश्विक शासन के विकसित होते स्वरूप पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, श्जब हम इन 70 वर्षों को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो मुझे लगता है कि 1945 या 1989 को हमेशा के लिए स्थिर करने की उम्मीद एक बहुत ही अवास्तविक उम्मीद थी। दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 में जयशंकर ने कहा कि 1945 या 1989 के बाद बने विश्व व्यवस्था को हमेशा के लिए बनाए रखने की उम्मीद करना अवास्तविक था। उन्होंने कहा कि पिछले 70 साल को अगर इतिहास के नजरिए से देखें तो यह भारत के हजारों साल के इतिहास का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, इसलिए दुनिया का बदलना स्वाभाविक है। जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें काम कर रही हैं तकनीक (टेक्नोलॉजी) और जनसंख्या का स्वरूप (डेमोग्राफी)। आने वाले दशक में यही दोनों कारक दुनिया की दिशा तय करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज वैश्विक राजनीति का विश्लेषण अक्सर अमेरिका के इर्द–गिर्द किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया धीरे–धीरे कई ताकतों में बंट रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान

अंधकार की ओर बढ़ रहे राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध

कोल्लम,एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा दौर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे राजनीति हो या अंतरराष्ट्रीय संबंध, एक–दूसरे को समझने का कोई प्रयास नहीं किया जाता और असहमति के मामलों में हिंसा का सहारा लिया जाता है। उन्होंने कहा, आज हम राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देख रहे हैं कि हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। दूसरे व्यक्ति को समझने के प्रयास नहीं किया जाता है। बस, बम गिराकर उन्हें मार डाला जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, हमारे यहां की राजनीति में भी यही हाल है। अगर आप किसी से सहमत नहीं होते, तो आप उस पर हमला करते हैं या उसके प्रति हिंसक हो जाते हैं। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और समाज सुधार संत श्री नारायण गुरु की मुलाकात की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नारायण गुरु दोनों ही इस तरह की हिंसा के विरोधी थे और जनता के बीच प्रेम, सम्मान, क्षमता और समझदारी की पैरवी करते थे। अपने संबोधन में आगे उन्होंने कहा कि संविधान में भी वे मूल्य समाहित हैं, जिनकी पैरवी नारायण गुरु और महात्मा गांधी ने की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि महात्मा गांधी ने उस समय दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य से लड़ाई लड़ी थी और उनके साथ जो कुछ भी किया गया, उन पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। (महात्मा) गांधी उस मजबूत व्यवस्था के खिलाफ अपने संघर्ष के दौरान नारायण गुरु जैसे लोगों से प्रेरित हुए और उनसे बातचीत की। विपक्ष के नेता ने कहा, अंग्रेजों के खिलाफ महात्मा गांधी के संघर्ष से मुझे अहसास हुआ कि शक्ति और बल में अंतर होता है।

अमित शाह बोले-

31 मार्च तक देश से नक्सल का होगा खात्मा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दोहराया कि सुरक्षा बल 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के अपने संकल्प को पूरा करेंगे। कटक में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए अमित शाह ने नक्सलवाद के उन्मूलन में सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और सीआईएसएफ ने इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे ओडिशा हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना, सीआईएसएफ ने नक्सलवाद के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने साफ तौर पर कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च, 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। हमारे सुरक्षा बल तिरुपति से पशुपति तक रेड कॉरिडोर बनाने और अपना वर्चस्व स्थापित करने का सपना देखने वालों को पूरी तरह से पराजित करेंगे। अमित शाह ने देश के लिए सीआईएसएफ कर्मियों के ष्वीरता और आत्मबलिदानष की सराहना करते हुए उनकी सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 56 वर्षों में, सीआईएसएफ ने न केवल अपने मूल उद्देश्य को पूरा किया है, बल्कि हर तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को रूपांतरित भी किया है। वीरता और बलिदान भारत के गौरवशाली इतिहास की पहचान हैं। इन गुणों को समर्पण के साथ जोड़ते हुए और आधुनिक हथियारों से लैस होकर, सीआईएसएफ ने हर तरह की चुनौतियों का सामना करने का साहस दिखाया है।

पश्चिम एशिया संकट पर बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

समुद्र बन रहे वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र

कोलकाता,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर चिंता जताते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में समुद्र शक्ति संतुलन का केंद्र बन गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में अस्थिरता से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार पर गंभीर असर पड़ेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने शुक्रवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बदलती वैश्विक राजनीति में समुद्र एक बार फिर दुनिया की शक्ति संतुलन का केंद्र बन गए हैं। अब यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास और पूरी क्षमता के साथ समुद्री क्षेत्र में नेतृत्व करे। राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया के ताजा घटनाक्रम को असामान्य बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस इलाके के हालात पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकते हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में जो हो रहा है, वह सामान्य नहीं है। इस समय यह कहना मुश्किल है कि वहां के हालात आगे किस दिशा में जाएंगे। रक्षा मंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि यह इलाका दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। जब भी इस क्षेत्र में कोई रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की सप्लाई पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि आज सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूसरे सामानों की सप्लाई चेन में भी रुकावटें आ रही हैं। इन अनिश्चितताओं की वजह से वैश्विक व्यापार को नुकसान हो रहा है। सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात ने एक बार फिर समुद्रों की अहमियत को साबित किया है। उन्होंने कहा, बदलती वैश्विक राजनीति के इस दौर में समुद्र शक्ति संतुलन के केंद्र में हैं। एक बड़े समुद्री देश के तौर पर भारत को साफ विजन के साथ आगे आना होगा। हालांकि, रक्षा मंत्री ने श्रीलंका के पास अमेरिकी हमले में ईरानी युद्धपोत के डूबने का सीधा जिक्र नहीं किया।

किसान को बढ़ी दर से अधिग्रहीत जमीन का मुआवजा अदा करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण को 44 साल पहले अधिगृहीत भूमि के मुआवजे का भुगतान किसान को बढ़ी दर पर करने का आदेश दिया है। हालांकि, अपील करीब 24 साल की देरी से दाखिल होने के कारण ब्याज अदा करने की मांग मानने से इन्कार कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण को 44 साल पहले अधिगृहीत भूमि के मुआवजे का भुगतान किसान को बढ़ी दर पर करने का आदेश दिया है। हालांकि, अपील करीब 24 साल की देरी से दाखिल होने के कारण ब्याज अदा करने की मांग मानने से इन्कार कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की अदालत ने गाजियाबाद (अब गौतमबुद्ध नगर) निवासी किसान मांगेराम की अपील स्वीकार करते हुए दिया है।

नोएडा प्राधिकरण को गिजहौड़ गांव की प्रश्नगत जमीन के मुआवजे का भुगतान 31 के बजाय 34 रुपये प्रति वर्गगज की दर से करना होगा। इससे पहले जिला अदालत ने 1993 में मुआवजे को नौ से बढ़ाकर 31 रुपये किया था। याची ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए बढ़ी हुई दर से मुआवजे की मांग की थी। कोर्ट ने पाया कि सुप्रीम कोर्ट पांच जनवरी 1982 को जारी अधिसूचना से गिजहौड़ गांव की अधिग्रहीत जमीनों के लिए 34 रुपये प्रति वर्गगज का मुआवजा तय कर चुका है। इसी आधार पर याची भी समान मुआवजे का हकदार है।

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि जिला अदालत का फैसला 1993 में आया था, लेकिन किसान ने इसके खिलाफ अपील 2018 में दाखिल की और कोर्ट फीस 2025 में जमा की। इस 24 साल नौ महीने की देरी के चलते कोर्ट ने आदेश दिया कि किसान को नौ अप्रैल 1993 से आठ सितंबर 2025 तक की अवधि के लिए बढ़े हुए मुआवजे पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा।

लोकनाथ में पहली बार हुई महिलाओं की होली, पुरुषों की रही नो एंट्री

प्रयागराज। संगम नगरी में होली का खास उत्साह तो आपने बहुत देखा होगा, लेकिन इस बार चौक के ऐतिहासिक लोकनाथ इलाके में एक नई परंपरा की शुरुआत हुई। वर्षों से पुरुषों के वर्चस्व वाली लोकनाथ की होली में इस बार महिलाएं अपनी टोली के साथ रंग जमाया। संगम नगरी में होली का खास उत्साह तो आपने बहुत देखा होगा, लेकिन इस बार चौक के ऐतिहासिक लोकनाथ इलाके में एक नई परंपरा की शुरुआत हुई। वर्षों से पुरुषों के वर्चस्व वाली लोकनाथ की होली में इस बार महिलाएं अपनी टोली के साथ रंग जमाया। पहली बार महिलाओं के लिए विशेष होली आयोजित की गई। लोकनाथ व्यायामशाला के प्रांगण में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक केवल महिलाओं का राज रहा। अब तक लोकनाथ की होली मुख्य रूप से पुरुषों और उनकी मस्ती के लिए जानी जाती थी, लेकिन इस साल तस्वीर बदली हुई नजर आई। कार्यक्रम में पुरुषों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहा। केवल सात वर्ष तक की आयु के लड़कों को ही अपनी माताओं के साथ अंदर जाने की अनुमति रही।

होली की छुट्टी के बाद पीसीएस–2024 के साक्षात्कार नौ मार्च से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में चल रहे पीसीएस–2024 के साक्षात्कार होली की छुट्टी के बाद नौ मार्च से फिर से शुरू होंगे और 20 मार्च तक जारी रहेंगे। आयोग के उप सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि साक्षात्कार की प्रक्रिया 16 फरवरी से शुरू हुई थी।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में चल रहे पीसीएस–2024 के साक्षात्कार होली की छुट्टी के बाद नौ मार्च से फिर से शुरू होंगे और 20 मार्च तक जारी रहेंगे। आयोग के उप सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि साक्षात्कार की प्रक्रिया 16 फरवरी से शुरू हुई थी। आयोग में प्रतिदिन 12 पैनल बैठते हैं। इनमें से छह पैनल सुबह 9रू30 बजे से और छह पैनल दोपहर दो बजे से साक्षात्कार लेते हैं। प्रत्येक पैनल द्वारा 10 अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया जाता है और एक अभ्यर्थी को लगभग 15 से 20 मिनट का समय दिया जाता है। होली के कारण साक्षात्कार प्रक्रिया में कुछ दिनों का अवकाश था। अब नौ मार्च से इंटरव्यू दोबारा शुरू होंगे। अंतिम दिन यानी 20 मार्च को केवल छह पैनल ही साक्षात्कार लेंगे और उस दिन प्रत्येक पैनल में सात अभ्यर्थी बुलाए जाएंगे।

बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्रों के बारे में अफवाह फैलाने में चार यूट्यूब चैनल पर कार्रवाई

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों के बारे में अफवाह फैलाने वाले चार यूट्यूब चौनल के खिलाफ साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह कार्रवाई परिषद के सचिव भगवती सिंह की तहरीर पर की गई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों के बारे में अफवाह फैलाने वाले चार यूट्यूब चौनल के खिलाफ साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह कार्रवाई परिषद के सचिव भगवती सिंह की तहरीर पर की गई है। सचिव ने आरोपियों द्वारा प्रश्न पत्रों के वायरल होने का भ्रामक पोस्ट डालने का दावा किया है। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने छह फरवरी को साइबर पुलिस को पत्र लिखकर बताया था कि कुछ यूट्यूब चौनल ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों के वायरल होने का दावा करते हुए अफवाह फैलाई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि अफवाह फैलाने वाले यूट्यूब चौनल ने माध्यमिक शिक्षा परिषद की शुचिता को ठेस पहुंचाई है। सचिव की शिकायत पर साइबर पुलिस ने बृहस्पतिवार को चार यूट्यूब चैनल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

बोर्ड के सचिव के अनुसार इन चौनल पर ऐसे वीडियो अपलोड किए गए, जिनमें यह दावा किया गया कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट 2026 की बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र वायरल हो गए हैं। सचिव का कहना है कि इन वीडियो के कारण परीक्षार्थियों और अभिभावकों में भ्रम और असमंजस की स्थिति पैदा हुई। इससे सरकार और बोर्ड की छवि भी प्रभावित हुई।

इन यूट्यूब चैनल पर कार्रवाई

1– टारगेट बोर्ड आर्ट क्लास, 2– ऑनलाइन स्टडी विद दिवाकर सर, 3– स्मार्ट एकेडमी, 4– साइंस की पढ़ाई

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक की मौत

प्रयागराज। थरवई क्षेत्र के मनसैता गांव के सामने डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार दो युवक की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। फाफामऊ थाना क्षेत्र के रुदापुर गांव का मनोज कुमार गौतम (22), अपने दोस्त चंदापुर गांव के राहुल गौतम (20) के साथ बुधवार को दोपहर सहसों में रिश्तेदार में जा रहा था। थरवई क्षेत्र के मनसैता गांव के सामने उसकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई। आसपास के लोगों ने उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद दोनों के परिजन रोते बिलखते अस्पताल पहुंचे। पुलिस को सूचना दिए बगैर परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

मेजा में स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े किया किशोरी का अपहरण, परिजनों ने हाईवे किया जाम

प्रयागराज। यमुनापार इलाके के मेजा में शुक्रवार दोपहर 12 बजे दिनदहाड़े स्कार्पियो सवार बदमाशों ने इंटर की छात्रा का अपहरण कर लिया। छात्रा अपनी छोटी बहन के साथ ऊंचडीह बस स्टॉप बाजार से मार्केट कर पैदल घर लौट रही थी। छोटी बहन रोती रही लेकिन बेखौफ बदमाश इंटर की छात्रा को जबरी अपनी गाड़ी में बैठा कर भाग गए। घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो ग्रामीण संग वह सड़क पर आ गए। आकरोर्षित परिजनों ने हाईवे पर चक्का जाम कर बेटी की बरामदगी और बदमाशों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। मौके पर मेजा के एसीपी संत प्रसाद उपाध्याय के साथ मेजा और मांडा पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गई।

मांडा थाना क्षेत्र के लक्षन चौकठा गांव के सूर्य नारायण यादव गांव के समीप ही बिल्डिंग की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार दोपहर में उनकी बड़ी बेटी इंटर की छात्रा पुष्पा यादव (17) अपनी छोटी बहन रूपा यादव (13) के साथ ऊंचडीह बस स्टॉप बाजार करने गई थी। दोनों बहनें पैदल ही घर लौट रही थीं कि जैसे हाईवे पर भरारी गांव के सामने पहुंची वैसे ही पीछे से तेज स्पीड में ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो आ खड़ी हुई। स्कॉर्पियो से नीचे उतरे दो लोगों ने पुष्पा यादव को जबरन खींचकर स्कॉर्पियो में बैठा लिया और भाग निकले।

दिन दहाड़े हुई वारदात से कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

यह सब देख छोटी बेटी बहन रूपा यादव रोती चिल्लाती रही लेकिन बेखौफ बदमाश उसे लेकर मांडा की तरफ भाग गए। इसकी सूचना परिजनों को हुई तो वह ग्रामीणों संग सड़क पर आ गए। आक्रोशित परिजनों ने लक्षन चौकठा गांव के सामने हाईवे को जाम कर दिया।

सूचना पर मेजा के एसीपी संत प्रसाद उपाध्याय मेजा थाने के इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह और मांडा इंस्पेक्टर के साथ मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गए। परिजनों की मांग है कि बेटी की बरामदगी के साथ बदमाश तत्काल गिरफ्तार किए जाएं। घटना को लेकर मां का रो–रो कर बुरा हाल है। दिन दहाड़े हुई इस वारदात से कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्रीय विधायक संदीप पटेल मौके पर पहुंच गए।

परिसर खाली होते ही खत्म हो जाते हैं किरायेदार के सभी अधिकार, वाराणसी दाल मंडी में ध्वस्तीकरण का मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि परिसर को खाली करने के साथ ही किरायेदार के सभी विधिक अधिकार खत्म हो जाते हैं। उसे बेदखली का नोटिस दिए जाने की जरूरत नहीं होती।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि परिसर को खाली करने के साथ ही किरायेदार के सभी विधिक अधिकार खत्म हो जाते हैं। उसे बेदखली का नोटिस दिए जाने की जरूरत नहीं होती। किरायेदार के हक तभी तक कायम रहते हैं, जब तक वह किराया देते हुए बेदखली के आदेश का सामना करता है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार एवं न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने वाराणसी के फरमान इलाही की याचिका खारिज करते हुए दिया है।

याची ने दाल मंडी में चल रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को चुनौती दी थी। दावा किया गया कि याची कुंडिगढ़ टोला दाल मंडी स्थित मकान में किरायेदार था। राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण करने से पहले उसे धारा 21 के तहत नोटिस देना चाहिए था। वह संपत्ति से जुड़ा हितबद्ध पक्षकार है। उसे सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए।

वहीं, राज्य सरकार की अधिवक्ता श्रुति मालवीय ने कहा कि याची किरायेदार है और उसके पास संपत्ति में कोई अधिकार नहीं है। याची ने जानबूझकर आंशिक रूप से ध्वस्त की गई संपत्ति की तस्वीरें प्रस्तुत कीं, ताकि अंतरिम राहत प्राप्त की जा सके। वास्तव में संपत्ति पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी। तस्वीरों में कोई तिथि या समय नहीं है, इसलिए उन्हें विश्वसनीय नहीं माना जा सकता।

कोर्ट ने पाया कि राज्य सरकार ने वाराणसी शहर के दाल मंडी क्षेत्र में सड़क को चौड़ा करने के लिए 30 जुलाई 2025 को आदेश जारी किया था। इसमें जमीन को स्वामियों की सहमति से खरीदने का प्रावधान था। शहनवाज खान घर के मालिक थे, उन्होंने राज्यपाल के पक्ष में बिक्री पत्र निष्पादित किया और कब्जा सौंप दिया। परिसर खाली होने पर अधिकारियों ने इसे ध्वस्त कर दिया। याची ने बिक्री पत्र को चुनौती दी है, लेकिन याची यह नहीं बता सका कि उसने अंतरिम आदेश का पालन किया था या नहीं और क्या उसे इसके उल्लंघन के कारण बेदखल किया गया था। कोर्ट ने कहा कि ध्वस्तीकरण कब हुआ, यह तथ्यात्मक प्रश्न है, जिसका निर्धारण उचित प्रक्रिया में किया जाना चाहिए, न कि रिट क्षेत्राधिकार में। यदि संरचना ही ध्वस्त हो गई है तो किरायेदार को दी गई अंतरिम सुरक्षा का कोई महत्व नहीं है।

रमजान में ईरान संकट का असर, लगातार बढ़ रहे मेवों के दाम

प्रयागराज। माहे रमजान के दौरान संगमनगरी के बाजारों में फलों और मेवों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इफ्तार की रस्मों में खास अहमियत रखने वाले फलों और सूखे मेवों के दाम बीते चार–पांच दिनों में तेजी से बढ़े हैं। ईरान युद्ध का असर भी मेवों के दाम पर पड़ा है। बादाम, अखरोट, अंजीर, पिस्ता के बढ़ते दामों ने लोगों को परेशान कर दिया है।

कारोबारी दीपक केसरवानी ने बताया कि खजूर और मेवों की खेप जो ईरान के रास्ते आती थी, वह अधर में लटकी है। मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ते फासले के कारण थोक बाजार में सप्लाई कम है। आने वाले दिनों में कीमतों में 15 से 20 फीसदी की वृद्धि और होने की संभावना है। प्रयागराज में बीते चार–पांच दिन में बादाम, अखरोट, पिस्ता के दाम पांच से दस फीसदी तक बढ़ चुके हैं।

वहीं, फलों की बात करें तो रमजान के पूर्व केले के दाम 50 से 60 रुपये प्रति दर्जन थे, जो अब बढ़कर 70 से 80 रुपये दर्जन हो गए हैं। सेब के दाम भी 200 रुपये प्रतिकिलो के करीब पहुंच चुके हैं। इसी तरह पपीता, अंगूर और तरबूज की कीमतों में भी प्रतिकिलो 10 से 15 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

रामबाग में इफ्तारी की खरीदारी कर रहे मो. अकरम ने बताया कि कुछ दिन पूर्व सेब के दाम 150 रुपये प्रतिकिलो तक थे, जो अब 200 रुपये प्रतिकिलो तक पहुंच गए हैं। अनार के दाम भी 200 रुपये प्रतिकिलो के करीब पहुंच चुके हैं। मुंडेरा फल सब्जी विक्रेता संघ के सतीश कुशवाहा ने बताया कि होली की वजह से फलों की आवक कम हुई थी। अब उम्मीद है कि दो–तीन दिन में दाम शायद कुछ कम हों।

रमजान के पहले और अब फलों के दाम

केला 50–60 रुपये – 70–80 रुपये

सेब 130–150 रुपये – 180–200 रुपये

पपीता 30–40 रुपये – 50–60 रुपये

अनार 120–150 रुपये – 150 –180 रुपये

अमरूद 40 – 50 रुपये – 80 –100 रुपये

संतरा 80–100 रुपये – 100–120 रुपये

अंदावा तिराहे पर ऑटो पलटा, एक की मौत, चार जख्मी

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के अंदावा तिराहे के पास बुधवार की सुबह एक तेज रफ्तार ऑटो दीवार से जा टकराया और पलट गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के भेज दिया। बुधवार की सुबह तकरीबन नौ बजे एक ऑटो सवारी लेकर झूंसी से अंदावा की ओर जा रहा था। अंदावा तिराहे के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार ऑटो दीवार से जा टकराया। हादसे में ऑटो सवार महेश पुत्र लालाराम भारतीय (40) निवासी खोजापुर फूलपुर की मौत हो गई। जबकि अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संदिग्ध हालात में कमरे में मिला प्रतियोगी छात्रा का शव, मौत का कारण स्पष्ट नहीं

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के ढरहरिया मोहल्ले में किराये का कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली आजमगढ़ की छात्रा नीता मौर्या (22) का शव कमरे में संदिग्ध हालात में मिला। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के ढरहरिया मोहल्ले में किराये का कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली आजमगढ़ की छात्रा नीता मौर्या (22) का शव कमरे में संदिग्ध हालात में मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ छानबीन करते हुए परिजनों को सूचना दी। बुधवार की सुबह मौके पर पहुंचे मृतका के भाई और भतीजे की मौजूदगी में पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर आजमगढ़ चले गए। आजमगढ़ के अहरौला थाना क्षेत्र के बरामद गांव निवासी मुन्नी लाल मौर्या के माता–पिता की मौत हो चुकी है। उनकी छोटी बहन नीतू मौर्या (22) प्रयागराज के कर्नलगंज थाना क्षेत्र के ढरहरिया मोहल्ले में किराये का कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के साथ बच्चों को टयूशन भी पढ़ाती थी। नीतू की मौत की सूचना पर भतीजे शिवम के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे भाई मुन्नी लाल ने बताया कि बुधवार सुबह करीब आठ बजे जब उनकी बहन कमरे से बाहर नहीं निकली तो पड़ोसियों ने उसका दरवाजा खटखटाया और आवाज लगाई। कोई जवाब न मिलने पर जबरन कमरे का दरवाजा खोला गया तो नीता का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। पुलिस ने छानबीन की लेकिन नीता की मौत का कारण का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। भाई मुन्नी लाल ने बताया कि माता–पिता के देहांत के बाद नीता प्रयागराज में ही रहकर पढ़ाई कर रही थी। 15 दिन पहले वह आजमगढ़ गई थी। तीन दिन पहले होली के त्योहार पर घर आने के लिए उससे बात हुई थी। कर्नलगंज पुलिस ने बताया कि छात्रा की मौत कैसे हुई, इसका पता लगाने के लिए विसरा रिपोर्ट सुरक्षित की गई है।

आर्यन हत्याकांड के मुख्य आरोपी की जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बागपत के आर्यन हत्याकांड के मुख्य आरोपी आशीष उर्फ कल्लू की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी गरीब है। लंबे समय तक जेल में रहने के कारण उसके बचाव के सुबूत भी इकट्ठे नहीं हो पा रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बागपत के आर्यन हत्याकांड के मुख्य आरोपी आशीष उर्फ कल्लू की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी गरीब है। लंबे समय तक जेल में रहने के कारण उसके बचाव के सुबूत भी इकट्ठे नहीं हो पा रहे हैं। मुख्य गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। लिहाजा, वह जमानत पर रिहा होने का हकदार है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने दिया है। मामला बागपत के बिनौली थाना क्षेत्र का है। आरोप है कि आशीष उर्फ कल्लू ने 2024 में जिवाना गुलियान निवासी 11वीं के छात्र आर्यन की जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी थी। अभियोजन के मुताबिक उसे मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। आरोपी के अधिवक्ता ने दलील दी कि अभियोजन पक्ष के गवाहों की गवाही हो चुकी है और अब मामला बचाव पक्ष के साक्ष्य पेश करने के चरण में है। लंबे समय तक जेल में रहने के कारण याची की बेगुनाही के सीसीवीटी फुटेज जैसे सुबूत इकट्ठा नहीं हो पा रहे हैं। कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए उसे रिहा करने का आदेश दिया है।

हवाई फायरिंग में तीन को लगी गोली, एक की हालत गंभीर

प्रयागराज। कर्नलगंज के कटरा मोहल्ले में बृहस्पतिवार दोपहर एक युवक ने हवाई फायरिंग कर दी, जिसमें तीन लोग गोली लगने से घायल हो गए। इनमें से एक युवक गंभीर रूप से घायल है। इलाज के लिए सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कर्नलगंज के कटरा मोहल्ले में बृहस्पतिवार दोपहर एक युवक ने हवाई फायरिंग कर दी, जिसमें तीन लोग गोली लगने से घायल हो गए। इनमें से एक युवक गंभीर रूप से घायल है। इलाज के लिए सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मोहल्ले में पूरे दिन अफरातफरी का माहौल रहा।

कर्नलगंज के कटरा मोहल्ले के स्थानीय लोगों के अनुसार बृहस्पतिवार की दोपहर करीब तीन बजे लोग होली मना रहे थे। इसी दौरान अचानक एक युवक ने तमंचे से हवाई फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान रास्ते में खड़े शिवम, ईशू यादव और आनंद कुमार निवासी कटरा को गोली लग गई। शिवम यादव के कंधे में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि ईशू यादव और आनंद यादव मामूली रूप से घायल हो गए। शिवम को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। डीसीपी सिटी मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि शिवम गंभीर रूप से घायल है। मामूली रूप से घायल ईशू यादव और आनंद कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। मामले में आरोपी युवक की शिनाख्त कर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रो. डॉ. जोनाथन बने शुआट्स के कुलपति

प्रयागराज। प्रो. डॉ. जोनाथन ए लाल को बृहस्पतिवार को सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (शुआट्स) का कुलपति नियुक्त किया गया। उन्होंने पदभार संभाल लिया है। वह कुलपति रहे प्रो. डॉ. आरबी लाल के पुत्र हैं। विवि बीते दो सालों से वित्तीय संकट से जूझ रहा है, जिससे निकलना नए कुलपति के लिए चुनौती होगी। वहीं प्रो. डॉ. रानू प्रसाद ने भी विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति (एकेडमिक अफेयर्स) का पदभार संभाला। प्रो. जोनाथन एक फरवरी 2016 को प्रोफेसर बने। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और विश्वविद्यालय में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। इसमें निदेशक आईपीसी, निदेशक ऑक्जिलरी यूनिट और डीन, जैकब इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायो इंजीनियरिंग शामिल है। कुलपति नियुक्त होने से पूर्व वे जुलाई 2022 से लगातार प्रति कुलपति (एकेडमिक अफेयर्स) के पद पर विश्वविद्यालय में सेवा दे रहे थे।

वे इंटरनेशनल कैंसर पेशेंट कोएलिशन के इंटरनेशनल बोर्ड मेंबर और आईसीपीसी के एशिया–पैसिफिक रीजन के चेयर हैं। साथ ही वे यूरोपियन अलायंस फॉर पर्सनलाइज्ड मेडिसिन में साइंटिफिक एडवाइजर के तौर पर सेवा दे रहे हैं। इसके अलावा वे डच बायोटेक कंपनी ट्यूबास्कैन लि./माइक्रोब लैब बीवी के वैज्ञानिक सलाहकार और बोर्ड मेंबर हैं। उन्होंने पूर्व में नीदरलैंड्स की मास्ट्रिच यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ जीनोमिक्स में विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर काम किया है और दो जाने–माने एकेडमिक जर्नल्स के एडिटर रहे हैं। पदभार संभालने पर प्रो. जोनाथन ए लाल ने निवर्तमान फाउंडर कुलपति प्रो. (डॉ.) राजेन्द्र बी लाल की दूरगामी सोच वाली नेतृत्वक्षमता, उनके कठिन परिश्रम तथा विश्वविद्यालय की मजबूत नींव रखने में उनके कीमती योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सृष्टि इम्पीरियल हाइट्स प्रयागराज में होली का रंगारंग आयोजन

प्रयागराज। सृष्टि इम्पीरियल हाइट्स में होली का रंगारंग कार्यक्रम बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन सोसायटी के प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट, सचिव, कल्चरल सेक्रेटरी तथा समस्त कमेटी सदस्यों एवं सृष्टि के सभी

सदस्यों की सहभागिता से किया गया। इस अवसर पर अबीर गुलाल, रेन डांस एवं श्री राधा कृष्ण जी के साथ फूलों की होली का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और होली के रंगों के साथ आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में सचिव रूबी ओझा, अंबिका शर्मा, विजय प्रकाश, जैन तथा मथुरा प्रसाद और कमेटी के सभी सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, आनंद–उमंग और भक्ति भाव पूर्ण रहा तथा सभी ने मिलकर होली पर्व को यादगार बना दिया।

लोकपाल समाज शेखर की जनसुनवाई व संवाद रहा जारी

11 मार्च को मंगरौरा व आसपुर देवसरा ब्लाक में जन सुनवाई व निरीक्षण करेंगे लोकपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल समाज शेखर की जन सुनवाई व संवाद कार्यक्रम जारी रहा। बेलखर नाथ ब्लाक के अग्रणी पर्यावरण कार्यकर्ता श्लोक मिश्र ने जनपद में मनरेगा व पंचायत द्वारा खुदे

तालाबों व नालॉ के किनारे बरसात में पौध रोपण की मांग की। वहीं लोकपाल ने 11 मार्च को मंगरौरा व आसपुर देवसरा ब्लाक क्षेत्र का दौरा करेंगे। साथ ही ब्लाक मुख्यालय पर आये शिकायत कर्ताओ की जनसुनवाई करके समाधान करेंगे।

लोकपाल समाज शेखर ने जन सुनवाई में मंगरौरा ब्लाक के युगेश तिवारी ने पशु सेड के लिए ग्राम पंचायत में सहयोग न मिलने की शिकायत की। जिस पर लोकपाल ने 11 मार्च को ब्लाक में उपस्थित होने को कहा। वहीं पौध रोपण व जल संरक्षण हेतु व्यापक प्रयास हेतु जिला उपायुक्त मनरेगा से अपेक्षा की।

कूड़ा जलाकर राजधानी के एक्यूआई को और खराब कर रहा खुद नगर निगम

लखनऊ, संवाददाता। स्वच्छता सर्वेक्षण में राजधानी को नंबर एक बनाने के लिये नगर निगम के साथ सफाईकर्मी जी जान से लगे हुए है। गलियों में सड़कों पर कूड़ा दिखाई न दे इसलिए कूड़े के ढेर को आग लगा कर अपने कर्तव्यों का पूरा पालन कर रहे है। सफाईकर्मियों द्वारा झाड़ू लगाने के बाद कूड़ा उठाने के बजाय उसमे आग लगाना अधिक आसान समझते है। कूड़े के ढेर में आग लगाने की घटनाये सुबह के समय सभी जोन में देखी जा सकती है। बस नगर निगम के जोन अधिकारी, सुपरवायजर को नहीं दिखायी देती है। ताजा मामला जोन–2 के राजाजीपुरम् वार्ड का है जिसमे सी–ब्लक स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय के बाहर सफाईकर्मी ने एकत्र ढेर को उठाने के बजाय उसमें आग लगा दी। धुऑ उठने पर लोगों पानी डालकर आग को बुझाया। राजधानी के तालकटोरा इलाके का ताजा एक्यूआई 180–200 है जो पहले ही इलाके को खतरनाक स्थिति में प्रदूषित कर रहा है उसपर कूड़ा जलाने से और भी प्रदूषण को बढ़ा रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51–ए में नागरिकों के ग्यारह वर्णित मौलिक कर्तव्यों में पर्यावरण संरक्षण का विशेष उल्लेख है जिनके पालन की सरकार नागरिकों से अपेक्षा रखती है। परंतु खुद नगर निगम व उसके कर्मचारी पर्यावरण संरक्षण का मजाक बना रहे है। खुले में कूड़ा लनाने की घटनाओं पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भारी जुर्माने व सजा का प्रावधान है परंतु सभी नगरनिगम में जोन में खुलेआम कूड़ा जलाने वाले कितने नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों पर महापौर व नगर आयुक्त ने जुर्माना तो दूर की बात एक स्पष्टीकरण ही मांगा हो।

कांशीराम की 92वीं जयंती पर मायावती दिखाएंगी ताकत, राजधानी में जुटेंगे हजारों कार्यकर्ता

लखनऊ, संवाददाता। सत्ता का वनवास और अपनी पहचान, विचारधारा व अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रही बसपा सुप्रीमो एक बार फिर एक्टिव मोड में नजर आ रह है। चुनाव दर चुनाव हर के बाद भी मायावती ने फिर से कार्यकताओं एंव संगठन को धार देने में जुट गई है। दरअसल, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने पार्टी संस्थापक कांशीराम की 92वीं जयंती के अवसर पर 15 मार्च को 'लखनऊ चलो' का आह्वान किया है। इस दिन राजधानी में बसपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का बड़ा जमावड़ा होने की संभावना है। कार्यक्रम का आयोजन पुरानी जेल रोड स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर किया जाएगा। पार्टी नेताओं के मुताबिक जयंती कार्यक्रम में प्रदेश के 12 मंडलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक लखनऊ पहुंचेंगे। इस मौके पर पार्टी संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को संदेश भी दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार बसपा सुप्रीमो मायावती भी लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित कर सकती हैं। हालांकि पार्टी की ओर से उनके कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन कार्यकर्ताओं में इसे लेकर उत्साह देखा जा रहा है। इसी दिन नोएडा में भी कांशीराम की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा पार्टी के केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद राजस्थान के भरतपुर में एक जनसभा या रैली को संबोधित कर सकते हैं।

तीसरी बार यूपी की सत्ता में वापसी करेगी बीजेपी

विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर की तैयारी, संगठन में होगा ये बड़ा बदलाव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी भी नई टीम के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। पार्टी का लक्ष्य लगातार तीसरी बार प्रदेश की सत्ता में वापसी करना है। इसके लिए संगठन स्तर पर बड़े बदलाव किए जाने की संभावना है, जिसमें क्षेत्रीय अध्यक्षों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को छह क्षेत्रों में बांटा हुआ है और हर क्षेत्र में एक क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। ये अध्यक्ष अपने क्षेत्र के जिलाध्यक्षों के कामकाज पर नजर रखते हैं और टिकट के संभावित दावेदारों के नामों की सिफारिश भी करते हैं। यही कारण है कि क्षेत्रीय अध्यक्ष का पद पार्टी संगठन में काफी अहम माना जाता है। अब इन पदों में बदलाव की चर्चा शुरू होते ही नए दावेदारों की सक्रियता भी बढ़ गई है। भाजपा जल्द ही प्रदेश, क्षेत्र और जिला स्तर पर संगठन में बड़े बदलाव कर सकती है। विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए इस समय प्रदेश में जिला इकाइयों के गठन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके साथ ही क्षेत्रीय अध्यक्षों को भी बदले जाने की तैयारी चल रही है।

माना जा रहा है कि प्रदेश स्तर पर संगठनात्मक बदलाव के साथ ही क्षेत्रीय अध्यक्षों में भी फेरबदल का ऐलान किया जा सकता है।दरअसल, कुछ क्षेत्रीय अध्यक्षों को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक कई शिकायतें पहुंची हैं। इनमें अपने करीबी लोगों को बढ़ावा देने और पुराने व समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने जैसे आरोप शामिल हैं। इन शिकायतों के बाद पार्टी नेतृत्व संगठन में बदलाव के मूड में दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा का संगठन 1918 मंडलों, 98 संगठनात्मक जिलों और 6 क्षेत्रों में बंटा हुआ है। मंडल अध्यक्षों के अधिकांश नाम घोषित किए

जा चुके हैं और अब केवल 70 से 75 मंडल अध्यक्षों की घोषणा बाकी है। वहीं 98 में से 94 जिलाध्यक्षों के नाम घोषित हो चुके हैं। अभी चार जिलों– वाराणसी, चंदौली, देवरिया और अंबेडकरनगर के जिलाध्यक्षों की घोषणा होना बाकी है। जिला इकाइयों के गठन को लेकर पर्यवेक्षकों ने अपनी राय ले ली है और माना जा रहा है कि अगले दो दिनों में उनकी रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंप दी जाएगी। इसके बाद क्षेत्रीय स्तर पर बैठकों का दौर तेज होगा। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए जिलाध्यक्षों के साथ–साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला स्तर से टिकट के दावेदारों की सूची क्षेत्रीय अध्यक्षों के माध्यम से ही प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचती है। पिछले कुछ समय से क्षेत्रीय अध्यक्षों को विधान परिषद भेजने की परंपरा भी देखने को मिली है, जिससे इस पद का महत्व और बढ़ गया है। अब जब छहों क्षेत्रीय अध्यक्षों के बदलने की संभावना जताई जा रही है, तो मौजूदा पदाधिकारियों में अपनी कुर्सी बचाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इसके लिए लखनऊ से लेकर दिल्ली तक संपर्क साधे जा रहे हैं और संघ के पदाधिकारियों से भी बातचीत की जा रही है।

गरीबों की दिल खोल कर सहायता करें : मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ, संवाददाता। रमजानुल मुबारक के तीसरे जुमे को जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में अपने खुतबे में इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने कहा कि अल्लाह के इंआमों में से एक इंआम रमजानुल मुबारक का महीना है जिसमें एक एक नेकी का सत्तर से सात सौ गुना तक अल्लाह तआला अपने बंदों को सवाब देता है, इससे नेकी की ऐसी फिजा और माहौल बन जाता है कि बंदे के दिल का झुकाव बुराई की तरफ कम और अच्छाई की तरफ ज्यादा से ज्यादा हो। इसी मुबारक महीने में रोज़े जैसे अहम्तरीन रुक्न–ए–इस्लाम को फर्ज किया कि इसका दिन रोज़े की हालत में गुज़ारा जायेगा, इस में रोज़ा रखने का बदला अपने लिए खास़ किया। इसका पहला अशरा रहमत, दूसरा अशरा मग़फिरत और तीसरा अशरा जहन्नम से छुटकारा है। रमजानुल मुबारक के इस महीने में नेक अमल को आसान बनाने के लिए शैतानों को कैद कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कुरान मजीद में तीन तरह के विषय हैं। एक अकीदा कि खुदा पाक पूरी दुनिया का मालिक है। उसने दुनिया को पैदा करके उसको दूसरों के हवाले नही कर दिया है बल्कि वह हर समय पूरी कायनात को अपनी मर्जी के मुताबिक़ चला रहा है। इस लिए हम सब को अपनी जरूरतें इसी एक मालिक के सामने रखनी चाहिएं। उसका बेहतरीन तरीका दुआ है। दुआ से बन्दे में खाक़सारी पैदा होती है जो खुदा पाक को बहुत पसंद है और दुआ न करने से तकब्बुर पैदा होता है जो खुदा पाक को सबसे अधिक नापसंद है। मौलाना ने कहा कि इस माह की बहुत बड़ी बरकत है कि हम ने कुछ रातों में कुरान मजीद सुना। हम पर यह जिम्मेदारी है कि कुरान मजीद के अहकाम से वाकिफ हों। उसके हुकमों पर अमल करें। बाक़ी बचे हुए दिनों में फर्ज, सुन्नत, नवाफिल, तरावीह और तहज्जुद की पाबन्दी करें। शब–ए–कद्र का एहतिमाम करें। अपने माल की जकात निकालें, सदका फित्र अदा करें ताकि गरीब भी ईद की खुशियाँ हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि यह महीना हमदर्दी और गमख्वारी का महीना है। इस का हम अमली सुबूत दें।

डिलीवरी के बाद महिला को मृत घोषित किया, हंगामे पर आईसीयू से जिंदा निकली

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज में प्राइवेट हॉस्पिटल ने डिलीवरी के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजनों से डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करा लिया। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू किया तो आईसीयू से महिला को जिंदा निकाला गया। स्थिति गंभीर होने पर उसे बलराम अस्पताल फिर वहां से केजीएमयू रेफर किया गया। हालांकि, करीब 6 घंटे बाद महिला को बचाया नहीं जा सका। घटना पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना स्थित कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल की है। महिला की पहचान इस्माइल नगर, नगराम निवासी आशु रावत की पत्नी चांदनी कुमारी (22) के रूप में हुई है। गुरुवार को उसने कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में ऑपरेशन के बाद बेटे को जन्म दिया था। आज, शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे उसकी केजीएमयू में मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, चांदनी कुमारी को गुरुवार सुबह

प्रसव पीड़ा हुआ। डिलीवरी के लिए दोपहर करीब 12 बजे उसे कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया। शाम करीब 7 बजे उसने ऑपरेशन से बेटे को जन्म दिया। उसके बाद डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए आईसीयू में शिफ्ट कर दिया। महिला के ससुर अनिल कुमार ने बताया आईसीयू में भर्ती शिफ्ट करने के बाद हॉस्पिटल प्रशासन इलाज के नाम पर बार–बार पैसे जमा कराता रहा। पहले 15 हजार रुपये जमा कराए। फिर 18,500 और 25 हजार रुपए जमा कराए। परिजनों से खून लेकर रातभर चढ़ाते रहे। भाई दिनेश ने बताया आज सुबह डॉक्टरों ने 8 यूनिट और खून चढ़ाने के लिए कहा। सुबह करीब 7 बजे मैंने 8 लोगों को खून देने के लिए बुला लिया। इस बीच हॉस्पिटल का स्टाफ कई तरह की बातें बताकर गुमराह करता रहा, फिर कहा कि तुम्हारे मरीज की मौत हो गई है। उसके बाद डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करवा लिया। महिला की मौत की खबर सुनकर परिजनों ने हंगामा शुरु कर दिया। इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। हॉस्पिटल प्रबंधन से महिला को दिखाने के लिए कहा। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। हंगामा बढ़ता देखकर हॉस्पिटल प्रबंधन ने महिला को आईसीयू से बाहर निकाला तो उसकी सांसें चल रही थीं। तब तक पुलिस भी पहुंच गई। हॉस्पिटल ने महिला को रेफर किया। उसे एम्बुलेंस से बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया।

ऑटो चालक का पार्क के पास मिला शव, परिजन बोले हत्या करके फेंका गया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के इंदिरा नगर के सेक्टर–14 स्थित पार्क में ऑटो चालक का शव संदिग्ध हालात में मिला। शरीर पर चोट के निशान हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।इंदिरा नगर मुंशी पुलिया निवासी राजेश सोनकर (61) ऑटो चालक थे। उनकी पत्नी सुषमा ने बताया कि राजेश गुरुवार सुबह घर से किसी काम की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। शुक्रवार को सेक्टर–14 के एक पार्क में उनका शव पड़ा मिला। परिजनों का कहना है कि राजेश की हत्या कर शव पार्क में फेंका गया है। बताया जा रहा है कि वह शराब के आदी थे। शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके।

दवा लेने जा रही प्रिंसिपल की सड़क हादसे में मौत, ट्रॉमा सेंटर में तोड़ा दम

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के काकोरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में मदरसे की प्रिंसिपल की मौत हो गई। वह अपनी शुगर–बीपी की दवाई लेने के लिए घर से पैदल ही निकली थीं। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अंधे की चौकी सिकरौल निवासी फातिमा खान (39) मदरसे की प्रिंसिपल थीं। उनके पति शाहिद अनवर भी उसी मदरसे में पढ़ाते हैं। दो बेटियां हैं। परिजनों के मुताबिक, 3 मार्च की शाम फातिमा घर से दवा लेने के लिए निकली थीं। इसी दौरान वह पैदल सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। बाइक पर तीन युवक सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि फातिमा गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके सिर में पीछे और हाथ–पैर में काफी चोट आई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह उनकी हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर नहीं मिली है। बाइक को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। घटना स्थल के पास सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

मर्चेंट नेवी अफसर के घर चोरी,जेवरात, नकदी और समेत लाखों का सामान उड़ाया

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज क्षेत्र में एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और महत्वपूर्ण कागजात चुरा लिए। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह पड़ोसियों ने मकान मालिक को फोन पर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। यह मकान मर्चेंट नेवी के चीफ ऑफिसर शैलेंद्र यादव का है, जो डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट के पीछे मोहनलालगंज में स्थित है। शैलेंद्र यादव के भांजे विशेष यादव, जो एक निजी अस्पताल में सुपरवाइजर हैं, वर्तमान में इस मकान में रह रहे थे। विशेष यादव मूल रूप से कानपुर देहात के जैनपुर निवासी हैं।

प्रेम की पहली सीढ़ी

(छप्पय)

जीवन के संवाद प्रात बनकर जब छाए।
गुनगुन करता प्रेम सभी के दिल को भाए।
ढाई अक्षर मात्र अर्थ जिसका है गहरा।
बंधन से हो मुक्त न रखना कोई पहरा।
सच्चाई की राह है विश्वासों की जीत है।
अनुबन्धो के बन्ध में अप्रतिम प्रियतम प्रीत है।।

अनुरागी–अनुराग बताती हर इक पीढ़ी।
निर्मल मन की प्रीत प्रेम की पहली सीढ़ी।
खुद ही खुद को मेट त्याग की मूरत गढ़ के।
बन उसके अनुरूप सभी को अपना कहके।
धर्म–कर्म, धन–प्रेम है जिसने जाना है इसे।
धूप– छाँव सम भाव रख देती हैं खुशियाँ उसे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बीरेसांव गांव में होली का विशेष आयोजन

घर घर जाकर होली मिलने का है रिवाजः अरविन्द पाण्डेय

प्रयागराज। हंडिया क्षेत्र के बीरेसांव गांव में होली त्योहार पर विशेष आयोजन किया गया जिसे सभी ग्रामवासियों ने बड़े खुशी से मनाया और हर घर में जाकर बड़ों को टिका लगाकर

आशीर्वाद तथा आपस में गले मिल कर होली मिलन समारोह किया गया सुबह से लेकर शाम तक कोई ठंडई तो कोई दहीबड़ा, इसी क्रम में डीजे के साथ नमकीन गुझिया कोलड्रिंक आदि का वितरण किया गया लोगो में खुशीयों का आलम देखने को मिला इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने होली मिलन समारोह को विशेष रूप से मनाया गया।

नगर निगम के समाधान दिवस में महिला की तबीयत बिगड़ी, लिफ्ट खराब होने से सीढ़ियां चढ़ने पर फूली सांस

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ नगर निगम के समाधान दिवस में महिला फरियादी की तबीयत बिगड़ गई। लिफ्ट खराब होने के कारण वह सीढ़ियां चढ़कर सेकंड फ्लोर पर आयोजित समाधान दिवस में पहुंची थीं। सांस फूलने की वजह से वह हॉल में ही बैठ गई। उसे कुर्सी पर बैठाकर नीचे उतारा गया। 90 साल की बुजुर्ग महिला भी सीढ़ियां चढ़कर ऊपर पहुंची। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है क्या? समाधान दिवस में मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कुछ फरियादियों ने समस्या का समाधान न होने पर नाराजगी जाहिर की। 60 साल के बुर्जुग ने कहा– 8 बार चक्कर लगा चुका हूं। समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। जान दे दूं क्या? वजीरगंज की रहने वाली राम दुलारी का कहना है कि 15 हजार हाउस टैक्स आया है। इसके कारण परेशानी हो रही। बात करते हुए उन्होंने कहा कि लिफ्ट खराब थी। सीढ़ियां चढ़कर ऊपर गई। इससे सांस फूलने लगी। तबीयत खराब हो गई। ईटीएफ बल के कर्मचारी कुर्सी पर बैठाकर सीढ़ियों से लेकर नीचे पहुंचे।

प्रयागराज-हडपसर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित गाड़ी संख्या 04107/04108 प्रयागराज-हडपसर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

गाड़ी संख्या 04107/04108 प्रयागराज-हडपसर (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04107 प्रयागराज-हडपसर			गाड़ी सं. 04108 हडपसर-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	10:20	प्रयागराज ▲	06:30	—
11:18	11:20	शंकरगढ़	04:13	04:15
11:45	11:47	हमौरा	03:33	03:35
12:40	12:45	मानिकपुर	03:10	03:15
13:25	13:27	चित्रकूट धाम कर्वी	01:55	01:57
15:15	15:20	बाँदा	00:35	00:40
16:18	16:20	महोबा	23:18	23:20
17:30	18:00	खजुराहो	21:20	21:50
18:14	18:16	दुरिया गंज	20:50	20:52
18:32	18:34	छतरपुर	20:30	20:32
19:33	19:35	टीकमगढ़	19:10	19:12
21:03	21:05	ललितपुर	18:18	18:20
23:35	23:40	बीना	16:45	16:50
02:00	02:05	रानी कमलापति	14:15	14:20
03:35	03:45	इटारसी	12:20	12:30
08:10	08:15	भुसावल	07:35	07:40
10:45	10:50	मनमाड	04:20	04:25
11:54	11:56	कोपरगांव	03:06	03:08
12:42	12:44	बेलापुर	02:06	02:08
14:00	14:02	अहिल्यानगर	01:00	01:02
16:05	16:10	दौंड कॉर्ड लाइन	23:45	23:50
19:30	—	▼ हडपसर	—	22:40

- गाड़ी सं. 04107: प्रयागराज से (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 01.04.2026 से 08.04.2026 तक एवं 15.04.2026 से 15.07.2026 तक
- गाड़ी सं. 04108: हडपसर से (प्रत्येक गुरुवार) दिनांक 02.04.2026 से 09.04.2026 तक एवं 16.04.2026 से 16.07.2026 तक

गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी-07, स्लीपर श्रेणी-08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 512/26(D)

सम्पादकीय.....

सोनिया की सही सलाह

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल द्वारा छेड़ा गया युद्ध अब गंभीर मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। इसमें फिलहाल तसल्ली इसी बात की नजर आ रही है कि आशंकाओं के विपरीत अब विश्वयुद्ध जैसे हालात नहीं बने हैं। नाटो देशों ने इस युद्ध से एक दूरी बनाई है, जिससे युद्ध का दायरा वैश्विक स्तर पर नहीं बढ़ रहा है। हालांकि इजरायल ने ईरान का साथ देने वाले हिज्बुल्ला पर हमला बोलने के लिए लेबनान पर ही मिसाइलें दागना शुरु किया है। जबकि लेबनान खुद हिज्बुल्ला के साथ नहीं है। मगर युद्धपिपासु नेतन्याहू अपने आक्रमणों का दायरा बढ़ाते जा रहे हैं। वहीं अमेरिका की भी कोशिश यही है कि किसी भी तरह उसे बाकी देशों का साथ मिले। फ्रांस, इटली, ब्रिटेन जैसे देश साफ कर चुके हैं कि उन्हें इस युद्ध का सहभागी बनने में कोई रुचि नहीं है। वहीं कई देश ऐसे हैं, जिन्होंने न ईरान न इजरायल और अमेरिका किसी की भी तरफ झुकाव दिखाया, लेकिन दोनों पक्षों से युद्ध रोकने की अपील की। मगर नरेन्द्र मोदी ने पहले दिन से इजरायल और अमेरिका के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी। जिस पर विपक्ष ने सवाल उठाए तो भाजपा की पूरी ब्रिगेड नरेन्द्र मोदी के बचाव में उतर गई और साथ ही सोशल मीडिया की सेना भी इस काम में लगा दी गई है। ईरान में अयातुल्लाह खामेनेई के कारण महिलाओं को कितना दबाया जा रहा था, उनके अधिकारों का हनन हो रहा था, स्त्रियां सुरक्षित नहीं थीं, ऐसे तमाम आरोपों के साथ वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या ईरान की महिलाओं की चिंता करने वालों ने अपने देश में मनुस्मृति को पूरी तरह भुला दिया है, जिसने स्त्री अधिकारों को हर तरह से खारिज किया है। रहा सवाल ईरानी सरकार से वहां की जनता की नाराजगी का, तो उसे बनाए रखना या सत्ता से हटाना या उसके खिलाफ आंदोलन करना या उसके फैसलों को चुपचाप बर्दाश्त करना, यह सब केवल और केवल उसी का अधिकार है। इसमें अमेरिका या इजरायल का तो कोई लेना–देना ही नहीं होना चाहिए। मगर भाजपा यही साबित कर रही है कि ईरान पर आक्रमण करना सही था। विदेश नीति में किए गए इस आमूलचूल बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए कांग्रेस सांसद और संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी का एक आलेख मंगलवार को श्इंडियन एक्सप्रेसश में प्रकाशित हुआ, जिसमें उन्होंने लिखा कि एक मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता की हत्या एक दिन पहले अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए लक्षित हमलों में हुई। यह हत्या तब हुई जब वार्ताएं जारी थीं। सोनिया गांधी ने कहा कि किसी सत्तारूढ़ राष्ट्राध्यक्ष की इस तरह की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर विघटन का संकेत है। उन्होंने इस पूरे मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग की। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि भारत सरकार ने न तो इस हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरुआत में अमेरिका–इजरायल के हमलों का उल्लेख किए बिना केवल ईरान की संयुक्त अरब अमीरात पर जवाबी कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में प्रधानमंत्री ने गहरी चिंता जताई और संवाद और कूटनीति की सामान्य बात कही, जबकि हमलों से पहले यही प्रक्रिया जारी थी। सोनिया गांधी ने अपने लेख में संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का जिक्र किया। उनके मुताबिक, बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के और कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या करना उस भावना के विपरीत है, जो किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक लगाती है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर ऐसे मामलों में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से सिद्धांत आधारित आपत्ति दर्ज नहीं होती, तो अंतरराष्ट्रीय मानकों का क्षरण सामान्य होता जाएगा। सोनिया गांधी ने यह भी लिखा कि जब वैश्विक दक्षिण के कई देश और ब्रिक्स साझेदार दूरी बनाए हुए थे, उस समय भारत का यह रुख गलत संदेश दे सकता है। उन्होंने कहा कि इससे भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। नरेन्द्र मोदी या भाजपा में उनके आज के सलाहकारों की लोकतंत्र में जरा सी भी आस्था होती तो सोनिया गांधी के इन विचारों पर गौर किया जाता। मगर अब उल्टा उन्हीं पर आक्रमण शुरु हो गए हैं। एक नेता ने कहा कि हमें विदेश नीति आपसे सीखने की जरूरत नहीं है, आप अपनी पार्टी संभालिए, जिसे लगातार हार मिल रही है। वहीं एक अन्य नेता ने याद दिलाया कि पं. नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी गुटनिरपेक्षता पर चल रहे थे और अब भी वही हो रहा है। इस तर्क के बाद तो लगता है कि या तो भाजपा को गुटनिरपेक्षता का मतलब नहीं समझता या उसने इसकी भी नयी परिभाषा गढ़ ली है। बहरहाल, इस तरह सत्ता को खुश करने के लिए दिया जा रहा अंधा समर्थन आज भले थोड़ा फायदा इन लोगों को दे जाए, लेकिन भविष्य के भारत के लिए यह कितना खतरनाक हो सकता है,

ईरान पर चुप्पी हमें शर्मसार करेगी

योगेन्द्र यादव

'आप सुनिए मेरी बात। नैतिकता, आदर्श, सिद्धांत ये सब अपने घर–समाज के नियम हैं। विदेश नीति इनसे नहीं चलती

है। वहां हर कोई अपना राष्ट्रीय हित साधने आता है। हमें भी यही करना होगा। यही हमारी सरकार कर रही है। आप खामखा उपदेश मत दीजिए।' फिर अपने लहजे को हल्का करने की नीयत से मुस्कुराए और बोले, 'आपको वो गाना याद है, कसमे वादे प्यार वफा, सब बातें हैं बातों का क्या? कोई किसी का नहीं है, झूठे नाते हैं नातों का क्या।' बातचीत शुरू ऐसे नहीं हुई थी। हम फिर पार्क में मिले थे। जैसा जमाने का दस्तूर है, चर्चा खेल और युद्ध पर चल रही थी। टी–20 पर चर्चा ऐसी, मानो खेल हिंदुस्तानी कानून, देसी दवा और क्रिकेट के साथ–साथ अब सामरिक विषयों का एक्सपर्ट भी बन गया था। बुमराह को स्विंग और यॉर्कर सिखाने वाले एक्सपर्ट अब ट्रम्प को हवाई युद्ध और पश्चिम एशिया को कूटनीति सिखा रहे थे। ईरान की तबाही और तेल के दाम पर निरपेक्ष भाव से चर्चा चल रही थी, जैसे मैच से पहले पिच की समीक्षा हो रही हो। भारत के विकल्पों पर चर्चा हो रही थी। मेरे बोलने में जरूर कुछ तल्खी रही होगी। मैंने कहा, जरा एक मिनट के लिए सोचिए, अगर ईरान की ईरान की तुलना भारत से कैसे कर सकते हैं? वहां इस्लामी चरमपंथी मुल्लाओं का राज है। जनता उस तानाशाही से मुक्ति चाहती है। यूं भी ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी की नाक में दम कर रखा है। चोरी–छुपे एटम बम बना रहा है। उसे रोकना तो पड़ेगा न। इस तरह के तर्क सुनकर मेरे कान पक चुके थे। अमरीका को ईरान के लोकतांत्रिक होने या न होने से रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता। सच यह है कि ईरान के पहले लोकतंत्र को खत्म करने का काम 1953 में अमरीका की सी.आई.ए. ने किया था। अमरीका ने ही ईरान पर राजशाही लादी थी, जिसके खिलाफ वहां इस्लामी क्रांति हुई थी। और जो भी बोले, अमरीका तो इस सवाल पर न ही बोले। इसमें कोई शक नहीं कि वहां इस्लाम के नाम पर जो शासन चल रहा है, उससे जनता में भारी असंतोष है। हाल ही में जनता ने विद्रोह किया था, जिसे ईरान की सरकार ने बेरहमी से कुचल दिया था। लेकिन क्या इससे अमरीका को वहां दखलअंदाजी का हक मिल जाता है? अमरीका का जब मन आए वेनेजुएला के राष्ट्रपति का अपहरण कर ले, जब चाहे ईरान के राष्ट्राध्यक्ष की हत्या कर दे। इसे हम कैसे देखते रह सकते हैं? मुझ जैसे लोगों को हमारी सरकार से लाख शिकायत है लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि उसकी आड़ लेकर कोई विदेशी ताकत भारत की जनता को मुक्त करवाने के नाम पर भारत पर हमला कर दे। सीधी बात है–ट्रम्प को यह मंजूर नहीं कि ईरान उसके सामने सिर उठाकर चले। इसलिए उसने जोर–जबरदस्ती से वहां सत्तापलट करवाने की ठान ली है। एटम बम की बात सरासर झूठ है। अमरीका का रक्षा मंत्रालय कबूल कर चुका है कि ईरान एटम बम बनाने से कोसों दूर है। पिछले साल ईरान पर हमला करने के बाद ट्रम्प ने खुद कहा था कि ईरान के एटमी कार्यक्रम को नेस्तनाबूद कर दिया गया है। ईरान और अमरीका के बीच मध्यस्थता करने वाले बहरीन के विदेश मंत्री ने साफ कहा है कि ईरान लिख कर देने को तैयार था कि वह अभी या भविष्य में कभी भी एटम बम नहीं बनाएगा। अगर अमरीका को चोरी–छुपे एटम बम की चिंता है तो उसे सबसे पहले इसराईल और पाकिस्तान पर हमला करना चाहिए, जिनके पास अवैध एटम बमों का जखीरा है। सच कहूं तो एटम बम रोकने की सारी बात ही पाखंडपूर्ण है। खुद्द दसियों हजार एटम बम रखने वाला अमरीका किस मुंह से दूसरों को पहला बम बनाने से रोक सकता है? कम से कम भारत तो इस पाखंड में शामिल न हो। जब तक हमारे एटम बम को दुनिया की मान्यता नहीं मिली थी, तब तक यही उपदेश हमें भी दिए जाते थे। और बाकी दुनिया को हम यही कहते थे–तुम कौन होते हो हमें सिखाने वाले। हमें तो ईरान के साथ खड़ा रहना चाहिए। कल तक हमारे प्रधानमंत्री ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंधों की दुहाई देते थे। पश्चिम एशिया के कुछेक देश जो आड़े वक्त हमारे काम आए थे, उनमें से ईरान एक है। चलिए खड़े होने की हिम्मत नहीं है तो कम से कम उनके राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर अफसोस तो जता सकते थे। इतना तो अमरीका की पिट्ठू पाकिस्तानी सरकार ने भी कह दिया। पता नहीं ट्रम्प के पास ऐसी क्या चाबी है कि मोदी जी सामान्य शिष्टाचार का बयान भी नहीं दे सकते। सच कहूं तो मुझे शर्म आती है। पहले हमारा देश गरीब था लेकिन सिर नहीं झुकाता था। अमरीका के सातवें बेड़े के सामने हमारी कोई ताकत नहीं थी लेकिन इंदिरा गांधी अमरीकी राष्ट्रपति निक्सन को दो–टूक जवाब दे सकती थी। क्या हो गया है हमारी दृष्टि और आदर्शों को? बस मेरे मुंह से 'आदर्श' सुनते ही उन्होंने पलटवार किया था और 'जंजीर' का गीत याद दिलाया था। उनके चेहरे पर मुस्कुराहट थी। अब मेरी बारी थी– ''जो परिवार और समाज में होता है वही दुनिया नामक परिवार में भी होता है। न घर सिर्फ नैतिकता और आदर्श से चलता है, न दुनिया बिल्कुल इनके बिना चल सकती है। नैतिकता नीति से अलग नहीं है।

दीर्घकाल में राष्ट्रहित को हासिल करने के लिए ही सिद्धांत चाहिए। रही बात आदर्श की, उसे छोड़कर सबसे ज्यादा नुकसान हमारा ही होगा। अगर अमरीका को गुंडागर्दी की छूट मिल गई तो इसी छूट का इस्तेमाल कल चीन भी करेगा। चीन की नजर में पहले ताइवान का नंबर आएगा। और कौन जाने कभी हमारा नंबर भी आ सकता है। अगर आदर्श का दामन छोड़ देंगे तो कल हमारे साथ कौन खड़ा होगा? जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली दुनिया में अगर हम लाठी वाले की लल्लो–चप्पो करेंगे तो इज्जत तो जाएगी ही, एक दिन उसकी लाठी भी हमीं पर पड़ेगी।''अनायास मुझे भी एक फिल्मी गीत की एक पंक्ति याद आ गई–'बिक गया जो वो खरीदार नहीं हो सकता।

सी.बी.आई: अपने आका की आवाज, सांठगांठ का ब्यूरो

पूनम आई. कौशिश

मध्य –पूर्व में ईरान के विरुद्ध अमरीका और इसराईल द्वारा युद्ध छेडने के बाद सारे विश्व में हाहाकार मचा हुआ है, तो भारत में भाजपा और 'आप' सी.बी.आई. की विशेष अदालत द्वारा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित 23 आरोपियों को दिल्ली आबकारी नीति 2021 के मामले में अनियमितता और रिश्वतखोरी में भूमिका के लिए उन्हें बरी करने से एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगा रहे हैं। स्पष्ट रूप से सी.बी.आई. इस निर्णय से असहमत है और वह अपील करेगी किंतु अभी तक 2009 के 2जी घोटाले में अंतिम निर्णय नहीं आया और यह अभी उच्च न्यायालय में ही पड़ा है। किंतु यह महत्वपूर्ण नहीं है। कोई भी समाज षड्यंत्र, अपराध और भ्रष्टाचार से ऊपर नहीं है। अमरीका ने एपस्टीन फाइल खोली। इस मामले में केजरीवाल की 'आप' कठघरे में थी, जिससे उनकी पार्टी को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। पद पर रहते हुए किसी मुख्यमंत्री को जेल भेजा गया और यही पिछले वर्ष दिल्ली विधानसभा चुनावों में मुख्य मुद्दा बना, जिसमें भाजपा की जीत हुई। इससे स्पष्ट होता है कि हमारे राजनेता हमेशा सी.बी.आई. जांच की मांग क्यों करते हैं। जो नेता सत्ता में होते हैं वे एजैंसी को अपनी उंगलियों पर नचाते हैं। यह एक दंतविहीन शेर है जो अपने मित्रों की सहायता करता है और विरोधियों के साथ राजनीतिक हिसाब चुकता करता है, क्लीन चिट देता है, राजनीतिक लीपापोती करता है और कानून प्रवर्तकों को कानून तोडने वाला और अपराध तथा भ्रष्टाचार को वैध बनाता है।

ऐसे अनेक आरोप हैं कि एजैंसी का उपयोग किस तरह राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और दबाने के लिए किया जाता है, चाहे कांग्रेस की सरकार में हो या मोदी सरकार में। राजनीतिक विरोधियों पर छापे डाले जाते हैं और इसमें प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग एजैंसी के सहयोगी बन जाते हैं। प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाती है, घंटों तक पूछताछ की जाती है, चार्जशीट बनाई जाती है। महत्वपूर्ण मामले में धीमी कार्रवाई की जाती है, जांच में गड़बड़ी की जाती है या उसे अधूरा छोड़ दिया जाता है या बिल्कुल नहीं की जाती। परिणामस्वरूप होता यह है कि अंततरू सी.बी.आई. मामले को सिद्ध नहीं कर पाती। यदि ऐसे मामले में आरोपी मान जाता है तो दबाव कम कर दिया जाता है और यदि नहीं मानता तो दबाव बढ़ा दिया जाता है। दुखद तथ्य यह है कि आज व्यवस्था ऐसी हो गई है कि जो भी दल सत्ता में आता है, सी.बी.आई. उसकी कठपुतली बन जाती है। अपने विरोधियों को दबाने के लिए सी.बी.आई. का दुरूपयोग किया जाता है, चाहे कोई भी दल सत्ता में हो। देश के 19 राज्यों में विभिन्न अदालतों में सांसदों और विधायकों के विरुद्ध 3211 मामले लंबित हैं। इनमें कुछ ऐसे मामले भी हैं, जिनकी जांच सी.बी.आई. द्वारा की जा रही है। इससे एजैंसी की प्रतिष्ठा खराब हुई है क्योंकि वह आरोपों के समर्थन में अपेक्षित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाती। इससे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की उसकी ईमानदारी और विश्वसनीयता पर भी आशंकाएं पैदा होती हैं। सी.बी.आई. जांच में मुख्य बात यह होती है कि हमेशा कहा जाता है कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, किंतु सत्तारूढ़ वर्ग द्वारा अपने राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध सी.बी.आई. को एक औजार बनाया जाता है। जब एजैंसी धनशोधन निवारण अधिनियम के कठोर प्रावधानों को लागू करती है तो यह अपेक्षा की जाती है कि ठोस साक्ष्य होंगे और मामला भी ठोस बनाया जाएगा। किंतु जब ये मामले न्यायालय में विचारण से पहले ही गिर जाते हैं तो इससे राजनीतिक उद्देश्यों के बारे में प्रश्न उठते हैं। समय आ गया है कि सी.बी.आई. जांच के उच्च मानक स्थापित करे। उसे यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि उसे न केवल कानून से, अपितु जनता के विश्वास से भी शक्ति मिलती है।

जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनका भी इतिहास

अरविन्द मोहन

वैसे तो दुनिया में अभी भी पांच–छह युद्ध जारी है और उनकी गंभीरता को कम नहीं माना जा सकता। लेकिन ईरान पर इजरायल और अमेरिकी हमले के बाद लड़ाई ने जो स्वरूप लिया

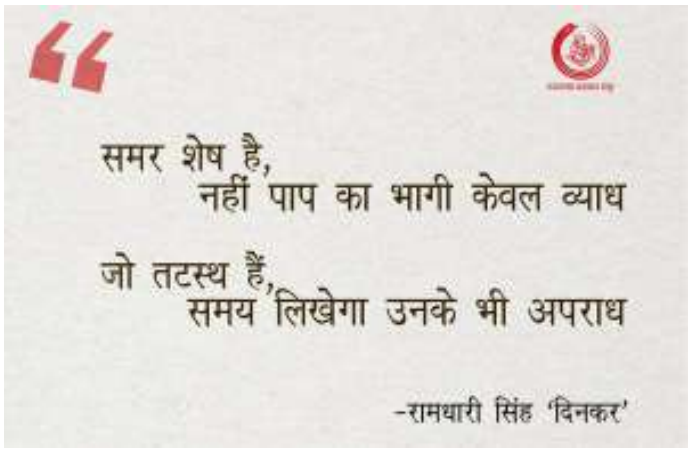

है वह भयावह है और विश्वयुद्ध ज्यादा दूर नहीं लगता और पुराने दो विश्वयुद्धों से अलग बात यह है कि यह यूरोप की जमीन पर होने की जगह एशिया को अखाड़ा बनाए हुए है और अमेरिका दूर बैठा सारे तमाशे कर रहा है। अभी हमारे ऊपर सीधा हमला नहीं हुआ है न हमारी सीधी भागीदारी है लेकिन अर्थव्यवस्था, राजनयन, इतिहास, संस्कृति और समाज से लेकर हर स्तर पर हमारी इस इलाके से ऐसी भागीदारी है कि हम इससे अप्रभावित नहीं रह सकते। एक तो यह हमारे पास है। दूसरे करीब एक करोड़ भारतीय इस इलाके के उन देशों में रहकर काम करते हैं जहां युद्ध अपने पूरे रौद्र रूप में शुरू हो चुका है। उनकी कमाई और रोजी–रोटी से ज्यादा उनकी जान की बन आई है और उनसे जुड़े हिन्दुस्तानी परिवारों और पूरे हिन्दुस्तान में बेचैनी महसूस की जा रही है। फिर तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है जिसका असर कितना और कैसा होगा इसकी कल्पना मुश्किल है। जंगी विस्फोटों और तेल तथा गैस के ठिकानों से होने वाले प्रदूषण का असर भी कहीं एक जगह भर नहीं रुकेगा। जंग वैसे भी कितने स्थायी दोस्त और उससे ज्यादा दुश्मन बना देता है। भारत ने युद्ध के अरब देशों में पसरने और ईरान द्वारा अमेरिकापरस्त अरब देशों के ठिकानों पर आक्रमण करने के बाद शांति और अयुद्ध के पक्ष में बयान दिया है लेकिन अभी भी काफी सारे लोगों को इंतजार ही है कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके साथियों की हत्या की निंदा करे, ईरान पर इजरायली हमले और अमेरिकी दखल की निंदा करे। उसके बगैर उसका बयान अधूरा है और यही गिना जाएगा कि वह इजरायल और अमेरिका की कार्रवाई के पक्ष में है। इसमें यह तथ्य और जुड़ जाएगा कि हमले से ठीक पहले हमारे प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा होती है और वहां की संसद को संबोधित करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन जाते हैं। वैसे भी भाजपा और संघ इजरायल का पक्षधर रहा है। अनेक समझौतों के साथ वह गर्मजोशी भी इसी पक्ष में गईं ली जाएगी जो मोदी और नेतन्याहू के बीच दिखी। इस बीच भारत ने मुश्किल ठिकानों पर फंसे हिंदुस्तानियों को स्वदेश लाने का काम जरूर शुरू कर दिया है। लेकिन जब संख्या करोड़ के आसपास हो तो यह काम कैसा और कितना मुश्किल है यह भी कल्पना की जा सकती है। जंग शुरू करने के पीछे अमेरिका या इजरायल की मंशा ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना या उसके परमाणु ठिकानों को ध्वस्त करना है। इस थ्योरी को आज कोई नहीं मानता, बल्कि अभी तक ईरान पर जो हमले हुए हैं उनमें स्कूल तो निशाने पर आये हैं लेकिन किसी परमाणु ठिकाने का नंबर नहीं आया है और अभी तक ईरान का जो रवैया है और ईरानी आमजन में जो प्रतिक्रिया है उससे लगता नहीं कि वह बहुत आसानी से हथियार डालेगा या अमेरिका आसानी से उसके यहां वेनेजुएला जैसा सत्ता परिवर्तन करा लेगा। लगभग पचास साल से सत्ता पर काबिज मौजूदा सैनिक और धार्मिक जमात का ईरानी गठजोड़ वैसे भी इतना मजबूत बन चुका है कि वह किसी 86 साल के बूढ़े नेता के न रहने के चलते बिखरने वाला नहीं है। अमेरिका ईरान में अपने सैनिक या सहयोगी सैनिक भेजकर वहां की लड़ाई में टिक पाएगा इसकी गुंजाइश भी नहीं लगती। वैसे भी अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन कराने का खेल खेलकर मात खा चुका है। यह लड़ाई कभी औरतों के नाम पर होती है कभी लोकतंत्र के नाम पर। अब वह सीधे जंग में उतरने के बाद ये नाम भी नहीं ले सकता और वियतनाम से लेकर दुनिया भर के अनुभव बताते हैं कि वह इतने नाराज देश की सरजमीं पर कदम भी रखने से बचेगा। वह बाहरी खेल से सत्ता परिवर्तन जरूर चाहेगा। हमारे लिए ईरान और खामेनेई के पक्ष में बयान भी न दे पाने की वजह ईरानी शासन का अभी तक चला स्वरूप ही है। इसमें भाजपा का इजरायल और मुसलमान श्प्रेमश तो कारण है ही प्रधानमंत्री की ट्रम्प से श्मैत्रीश भी एक कारण है। लेकिन सच कहें तो सबसे बड़ा कारण ईरान शासन का अब तक का रिकार्ड भी है जो सही मतलब में लोकतंत्र और औरतों या दूसरे पंथों के खिलाफ रहा है। लेकिन इन सबके बावजूद इसी सरकार ने उससे व्यापारिक और अन्य संबंध रखे थे, प्रधानमंत्री वहां दौरा भी कर आये थे। और चाबहार बंदरगाह वाली संधि करके फूले न समाते थे पर उससे भी बड़ी बात यह है कि खामेनेई की मौत के बाद ईरान का कसूर कम हो गया है और इजरायल तथा अमेरिका का कसूर प्रमुख बन गया है। ऐसा भी हो गया है कि आज ईरान खाड़ी के आधा दर्जन से ज्यादा अमेरिकापरस्त देशों के नागरिक ठिकानों पर सीधे हमला करने की गलती कर रहा है तब भी उसका कसूर कम लगता है। जिस बेहयाई और बर्बर ढंग से उसके शासन प्रमुख की हत्या की गई है और उसके यहां हमले हो रहे हैं उसमें हर जवाबी कार्रवाई को श्उचितश बताने के पर्याप्त तर्क मौजूद हैं। इसलिए भारत द्वारा शांति, अयुद्ध और स्थिरता के पक्ष में बयान देना सही हो सकता है लेकिन यह अपर्याप्त है। युद्ध आज जिस दौर में और भीषण स्वरूप में है और हम उसमें जिस तरह उलझे पड़े हैं वह इससे ज्यादा कुछ की मांग करता है।

अनीत पड्डा से लेकर सारा अर्जुन तक..डेब्यू करने वाली इन एक्ट्रेसेस ने अपने अभिनय से दर्शकों को किया प्रभावित

हिंदी सिनेमा हर साल नए कलाकारों को मौका देता है और उनमें से कुछ कलाकार अपने पहले ही काम से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ देते हैं। हाल के समय में जिन नई अभिनेत्रियों ने अपने डेब्यू से लोगों का ध्यान खींचा है, उनमें अनीत पड्डा, सारा अर्जुन और अदिति भाटिया के नाम खास तौर पर शामिल हैं। अलग–अलग पृष्ठभूमि से आने के बावजूद, इन तीनों ने अपनी मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और अच्छे अभिनय से खुद को अलग पहचान दिलाई है। अनीत पड्डा ने फिल्म "सैयारा" के साथ सिनेमा की दुनिया में कदम रखा और अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा। अपने किरदार में उन्होंने ताजगी और सच्चाई दिखाई, जिससे उनका अभिनय काफी सहज और स्वाभाविक लगा। भावनाओं को सही तरीके से दिखाने और दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता ने उनके डेब्यू को खास बना दिया। इसी वजह से उन्हें इंडस्ट्री के नए और उभरते चेहरों में गिना जा रहा है। सारा अर्जुन बहुत छोटी उम्र से ही मनोरंजन जगत से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। समय के साथ उन्होंने कई अच्छे प्रोजेक्ट्स में काम किया और अपनी अभिनय क्षमता को साबित किया। अब फिल्म "धुरंधर" के साथ सारा अपने करियर के नए दौर में कदम रख रही हैं। इस फिल्म में वह एक ज्यादा परिपक्व और मजबूत भूमिका निभा रही हैं। उनकी आत्मविश्वास भरी स्क्रीन प्रेजेंस और गहरी भावनाएं दिखाने की क्षमता उनके अनुभव को साफ दिखाती है। अदिति भाटिया ने भी अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। इसके साथ ही वह विज्ञापन की दुनिया में भी काफी समय से काम कर रही हैं और कई विज्ञापनों में दिखाई दे चुकी हैं। अब फिल्म "द केरला स्टोरी 2" के साथ वह मुख्य अभिनेत्री के रूप में बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं।

इस फिल्म में अदिति अपने किरदार में सच्ची भावनाएं और गहराई लेकर आती हैं। वह ऐसी भूमिका निभा रही हैं जिसमें कई मुश्किल परिस्थितियां दिखाई जाती हैं। मुख्यधारा के सिनेमा में उनका यह कदम उनके अभिनय सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अनीत पड्डा, सारा अर्जुन और अदिति भाटिया जैसे कलाकारों का उभरना यह दिखाता है कि हिंदी सिनेमा में नई पीढ़ी के कलाकार आगे आ रहे हैं। आज के दर्शक नए चेहरों और नई प्रतिभाओं को देखने के लिए तैयार हैं, और इन अभिनेत्रियों ने अपने पहले ही काम से एक मजबूत छाप छोड़ी है।

> “ इस फिल्म में अदिति अपने किरदार में सच्ची भावनाएं और गहराई लेकर आती हैं। वह ऐसी भूमिका निभा रही हैं जिसमें कई मुश्किल परिस्थितियां दिखाई जाती हैं। मुख्यधारा के सिनेमा में उनका यह कदम उनके अभिनय सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

जैसे–जैसे फिल्म इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, इन कलाकारों के शुरुआती प्रदर्शन यह बताते हैं कि आने वाले समय में इनका सफर बड़े पर्दे पर काफी सफल और दिलचस्प हो सकता है।

केन्या में कैसी रही वाराणसी की शूटिंग? प्रियंका चोपड़ा ने दी जानकारी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही इंडियन सिनेमा में फिल्म वाराणसी से वापसी कर रही हैं। यह बड़े पैमाने पर बन रही है। अभी इस फिल्म पर काम चल रहा है। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि केन्या में फिल्म की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा है। प्रियंका चोपड़ा ने जो रोजन एक्सपीरियंस पॉडकास्ट में बताया कि केन्या में शूटिंग बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा श्मैं वाराणसी के लिए अफ्रीका के केन्या में शूटिंग कर रही थी। हम जंगली जानवरों के साथ शूटिंग कर रहे थे। उसी दौरान मैं और मेरे को–एक्टर महेश बाबू इन जंगली जानवरों के बीच में थे जो माइग्रेट करते समय हमारे चारों ओर थे। मुझे यह दृश्य बहुत अच्छा लग रहा था। जब आप जंगल में इन जानवरों को देखते हैं तो आपको अच्छा लगता है। इससे पहले, महेश बाबू ने भी डिस्कसिंग फिल्म के साथ बातचीत में इसी शूटिंग के बारे में बात की थी। एक्टर ने माना कि पहले तो चीजें डरावनी लगीं। जंगली जानवरों से घिरे होने की वजह से शूटिंग का पहला दिन काफी टेंशन भरा था। वाराणसी का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू हैं। इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज होगी। प्रियंका चोपड़ा आखिरी बार भारतीय फिल्म द स्काई इज पिंक में नजर आई थीं।

मोटी कहकर गाने से किया था बाहर, छलका आयशा खान का दर्द, कहा-हर दिन रेप की धमकियां मिलती

एक्ट्रेस आयशा खान धुरंधर के गाने शरारत में नजर आने के बाद से काफी सुर्खियों में हैं। गाने में उनकी परफॉर्मेंस को लोगों ने खूब पसंद किया। वहीं, हाल ही में इस एक्ट्रेस ने बॉडी साइज की वजह से एक गाने से बाहर किए जाने पर अपना दर्द बयां किया। इसके साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि इंस्टाग्राम पर उन्हें रोज सेक्शुअलाइज किया जाता है और रेप की धमकियां तक मिलती हैं। आयशा खान ने ट्रोल्स और रेप धमकियों पर की खुलकर बात करते हुए एक इवेंट में बताया कि जब वो 12वीं क्लास में थीं, तब उन्हें टी–सीरीज के एक गाने में सेकेंड लीड के तौर पर लिया गया था। लेकिन शूट से एक रात पहले ही उन्हें मोटी कहकर बाहर कर दिया गया। आयशा ने खुलासा किया कि मुझे लगभग हर दिन इंस्टाग्राम पर मेरी बॉडी को लेकर सेक्शुअलाइज किया जाता है। मैं नॉर्मल सा टॉप पहनूं तो लोगों को दिक्कत, स्कर्ट पहनूं तो भी दिक्कत। मुझे कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोचना पड़ता है। अगर मुझे सिर्फ इसलिए कपड़े पहनने या कुछ पोस्ट करने से पहले सोचना पड़े कि कोई मुझे गलत नजर से देखेगा, तो ये बहुत दुख की बात है। कभी–कभी मैं सोचती हूं कि जो मन में आए वो पोस्ट कर दूं, लेकिन कई बार ऐसे भद्दे कमेंट पढ़ने का मन नहीं होता, जिनमें लोग लिखते हैं कि मौका मिले तो वो मेरे साथ क्या करेंगे। आयशा ने आगे कहा, जो लोग ऐसे कमेंट करते हैं, अगर उनके पास ताकत होती तो शायद वो वही करते जो लिखते हैं। यही बात डराती है कि ये सिर्फ शब्द नहीं, असली लोग हैं जो हमारे आसपास ही रहते हैं। मुझे लगभग हर दिन रेप की धमकियां मिलती हैं। काश इसके खिलाफ कुछ सख्त कदम उठाए जाएं। कई बार ये बातें मेरे पुराने जख्मों को हरा कर देती हैं और डर लगता है कि अगर मैं आज जितनी पहचान और ताकत नहीं रखती, तो शायद कुछ गलत हो सकता था। बता दें, आयशा खान को टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 17 से खूब फेम मिला। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर की थी। उन्होंने एकता कपूर के प्रोड्यूस किए गए टीवी शो कसौटी जिंदगी की से टीवी में डेब्यू किया। इसके बाद वो बालवीर रिटर्न्स में नजर आईं। साल 2022 में उन्होंने तेलुगु फिल्म मुखचित्रम से साउथ इंडस्ट्री में कदम रखा। इसके बाद वह फिल्म जाट में सपोर्टिंग रोल में दिखीं। हाल ही में उन्हें कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 में देखा गया वहीं फिल्म धुरंधर के स्पेशल सॉन्ग शरारत में क्रिस्टल डिसूजा के साथ भी उनकी परफॉर्मेंस को खूब सराहा गया।

‘भूत बंगला’ के सेट पर अक्षय कुमार–शिखर धवन का क्रिकेट धमाल, क्रू को दी कैश प्राइज की चुनौती

14 साल के लंबे इंतजार के बाद, बॉलीवुड की मशहूर एक्टर–डायरेक्टर जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन भूत बंगला के लिए फिर से साथ आ रहे हैं, और इस खबर ने फैन्स के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। ये दोनों हिंदी सिनेमा को कुछ सबसे पसंदीदा कॉमेडी फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। इस बार, वे एक हॉरर–कॉमेडी के साथ वापसी कर रहे हैं जो डर और हंसी दोनों का वादा करती है। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म से उनके सिग्नेचर ह्यूमर, परफेक्ट कॉमिक टाइमिंग और उस क्लीन फैमिली एंटरटेनमेंट के वापस आने की उम्मीद है जिसने उनकी पिछली फिल्मों को इतना पॉपुलर बनाया था। हाल ही में श्भूत बंगलाश का सेट एक मिनी क्रिकेट ग्राउंड में बदल गया जब अक्षय कुमार अपनी वही संक्रामक एनर्जी कैमरे के पीछे भी ले आए। पर्दे के पीछे के एक मजेदार वीडियो में, सुपरस्टार किसी और के साथ नहीं बल्कि शिखर धवन के साथ क्रिकेट खेलते नजर आए, जिसे देख क्रू मेंबर्स ऐसे चीयर करने लगे जैसे कोई स्टेडियम मैच चल रहा हो। जो एक कैजुअल गेम के तौर पर शुरू हुआ था, वो देखते ही देखते सेट पर एक फुल–ऑन क्रिकेट फीवर में बदल गया, जहाँ शॉट्स के बीच हंसी–मजाक और टीम स्पिरिट छाई रही। मजा तब और बढ़ गया जब अक्षय ने पूरे क्रू को एक ओपन चौलेंज दे दिया और जीतने वाली टीम के लिए नकद इनाम का ऐलान भी कर दिया। इस दोस्ताना मुकाबले ने सेट पर एक अलग ही रोमांच और भाईचारा भर दिया, जिससे यह साफ हो गया कि फिल्म के डर और पागलपन के अलावा, सेट पर टीम वर्क और मस्ती का राज था। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पहला गाना राम जी आके भला करेंगे रिलीज किया है, और रिलीज के बाद से ही इसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। यह गाना फिलहाल सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है और फैन्स को इसका वाइब्रेंट अंदाज बहुत पसंद आ रहा है। अक्षय कुमार की वही जबरदस्त एनर्जी, सटीक कॉमिक टाइमिंग और शानदार डांस मूव्स ने पुरानी यादें ताजा कर दी हैं, जो दर्शकों को उनकी क्लासिक फिल्मों की याद दिलाती हैं। ध्बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के एक डिवीजन, बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर भूत बंगला पेश किया है, जिसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव नजर आएंगे।

कृति सेनन की ट्रोलिंग पोस्ट को लाइक करने पर यामी ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं– पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया

हाल ही में मुंबई में हुए एक अवॉर्ड फंक्शन में तेरे इश्क में के लिए एक्ट्रेस कृति सेनन को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि 'हक' फेम एक्ट्रेस यामी गौतम इस अवॉर्ड की हकदार थीं। ऐसी ही एक पोस्ट को यामी गौतम ने लाइक कर दिया। इसके बाद यामी और कृति सेनन के फैंस सोशल मीडिया पर आपस में भिड़ गए। हाल ही में उस पोस्ट को लाइक करने के बारे में यामी गौतम ने चुप्पी तोड़ी है। शुक्रवार को यामी गौतम ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए पूरे विवाद को लेकर सफाई दी। वह अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक रील को श्लाइकश किया है, जो दूसरी एक्ट्रेस को ट्रोल कर रही थीं। हमें हर दिन कई चीजों में टैग किया जाता है। यह पोस्ट भी किसी भी दूसरे टैग की तरह एक अवॉर्ड फंक्शन की थी। यह सच नहीं है और उस पोस्ट को जानबूझकर लाइक किया गया। यह गलती से क्लिक हो सकता है।' वह आगे अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी सस्ती पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर फोकस किया है और आगे बढ़ी हूं। क्लिकबेट की दुनिया में बड़े सोशल मीडिया पोर्टल्स द्वारा इस बात को गॉसिप में बदलना हैरान करता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि वो लोग इस बात पर विचार करेंगे कि मैंने इससे बेहतर इज्जत कमाई है।' यामी ने यह भी बताया कि उनकी कोई पीआर टीम नहीं है। वह कहती हैं, 'मेरी कोई पीआर टीम नहीं है। मैंने अवॉर्ड शो पर बहुत पहले ही अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है। मैं अपने काम पर फोकस करती हूं।' पिछले साल यामी गौतम फिल्म श्हकश में नजर आई थीं। यह फिल्म 1985 में मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम केस पर आधारित थी। फिल्म में महिलाओं के हक की बात की गई है। फिल्म 'धुरंधर 2' में भी यामी गौतम नजर आ सकती हैं। इस फिल्म को उनके पति और डायरेक्टर आदित्य धर ने बनाया है।

साड़ी में पाना चाहती हैं स्लिम लुक तो ट्राई करें ये डिजाइनर साड़ियां, खूबसूरती में लगेंगे चार चांद

बदलते फैशन के दौर में भी साड़ी का चलन हमेशा एवरग्रीन रहता है। ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोर्स तक में साड़ियों की कई डिजाइंस आपको आसानी से मिल जाएंगे। पार्टी या फंक्शन के लिए अक्सर हम हैवी वर्क वाली साड़ी चुनते हैं। लेकिन आपकी बॉडी टाइप को हर तरह की डिजाइन सूट करे, यह जरूरी नहीं है। बता दें कि साड़ी को ड्रेप करने के कई तरीके हैं। इसलिए साड़ी में स्लिम लुक पाने के लिए आप बॉडी टाइप के हिसाब से डिजाइन चुननी चाहिए। ऐसे में अगर आप भी साड़ी में स्लिम–ट्रिम नजर आना चाहती हैं, तो हम आपको साड़ी के कुछ स्टाइलिश डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही साड़ी लुक्स को डिजाइन करने के कुछ आसान तरीकों के बारे में भी बताने जा रहे हैं।

ब्लैक कलर साड़ी

ब्लैक कलर की साड़ी आपको ग्लैम लुक देने में मदद करता है। इस लाइट वेट शिफॉन ब्लैक साड़ी में आप बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 2000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगी। इस लुक के साथ आप ओपन वेवी हेयर कर्ल्स हेयर स्टाइल चुन सकती हैं।

बॉर्डर वर्क साड़ी

बता दें कि आजकल मिनिमल वर्क की बॉर्डर वर्क साड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है। डिजाइनर सब्यासाची द्वारा इस स्टाइलिश साड़ी को डिजाइन किया गया है। इस तरह की साड़ी में आप प्लेन फैब्रिक खरीदकर अलग से कस्टमाइज करवा सकती हैं। इस साड़ी के साथ आप रेडीमेड और हैवी वर्क वाले ब्लाउज को स्टाइल कर सकती हैं।

ऑम्ब्रे सीक्वेन साड़ी

ऑम्ब्रे शेड वाली साड़ी काफी चलन में है। इस तरह की साड़ी को कई कलर कॉम्बिनेशन में स्टाइल किया जा रहा है। इसके साथ आप साटन के फैब्रिक वाले ब्लाउज को चुन सकती हैं। मार्केट में करीब 3000 रुपये तक में आसानी से सीक्वेन की साड़ी मिल जाएगी। इसके साथ ही मेकअप को न्यूट्रल पैलेट के कॉम्बिनेशन का रखें।

महिलाओं में इस तरह के लक्षण हो सकते हैं PCOS का संकेत, डॉक्टर को दिखाने में न करें देर

कुछ बीमारियां अलग–अलग तरह से महिला व पुरुषों को प्रभावित कर सकती हैं। जैसे कि हृदय रोग के मामले। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें, तो लाइफस्टाइल और डाइट में गड़बड़ी की वजह से कई तरह की बीमारियों का जोखिम बढ़ाता रहता है। वहीं महिलाओं को PCOS की समस्या हो सकती है। PCOS यानी की पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम, जो मुख्य रूप से पीरियड्स से संबंधित समस्या है। जिसमें लंबे समय तक या असामान्य पीरियड्स हो सकते हैं। इस स्थिति में शरीर एंड्रोजन हार्मोन में असंतुलन के खतरे को भी बढ़ा सकती है। जिसकी वजह से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हांलाकि PCOS क्यों होता है, इसके सही कारणों को अब तक नहीं समझा जा सकता है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक यदि इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए, तो कई तरह की क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से इसके लक्षणों की पहचान कर इससे बचाव कर सकते हैं।

पीसीओएस का बढ़ता जोखिम

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रजनन आयुवर्ग वाली अनुमानित 8–13प्रतिशत महिलाओं को PCOS प्रभावित करता है। वहीं दुनियाभर में करीब 70 फीसदी महिलाओं को यह समस्या हो सकती है। इस समस्या के कारण महिलाओं के अंडाशय में पुरुष हार्मोन और सिस्ट का अत्यधिक उत्पादन होने लग जाता है। यह शुरूआती लक्षण पीसीओएस के बारे में संकेत दे सकते हैं। जिन्हें आपको भूलकर भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। पीरियड्स में होने वाले किसी भी तरह के बदलाव पर ध्यान देना जरूरी होता है। क्योंकि कई बार पीरियड्स में होने वाले बदलाव स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ संकेत करते हैं। पीरियड्स की अवधि कम होने या नियमित न होने की स्थिति PCOS के सामान्य लक्षण हैं। बता दें कि PCOS की समस्या से पीड़ित महिलाओं को पीरियड्स सामान्य अवधि से अधिक समय तक हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में महिलाओं को गर्भधारण करने में समस्या हो सकती है।

सिर्फ खाने में ही नहीं खूबसूरती बढ़ाने में भी काम आएगा कद्दू, ऐसे करें इस्तेमाल

कद्दू की सब्जी ऐसी है, जिसका नाम सुनते ही सारे मुंह बनाने लगते हैं। इसका स्वाद किसी को पसंद नहीं आता है। वहीं इसकी सब्जी बनाते हुए लोग बीज फेंक देते हैं। शायद वो इस बात से अनजान हैं कि कद्दू के बीज के कई सारे ब्यूटी बेनेफिट्स भी होते हैं। जी हां, बिल्कुल सही सुना आपने। आइए आपको बताते हैं कि कद्दू के बीज को ब्यूटी ट्रीटमेंट में कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

कद्दू फेस मास्क

कद्दू की प्यूरी में शहद और दूध की कुछ बूंदें मिलाकर एक फेस मास्क बना सकते हैं। स्किन रीजूविनेट करने में मदद करेगी। कद्दू एंजाइम और अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (एएचए) से भरपूर होता है, जो स्किन को एक्सफोलिएट करता है, इससे त्वचा में निखार आता है। ये मास्क लगाने से पहले चेहरे को साफ कर लें और फिर इसे 15–20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

कद्दू बॉडी स्क्रब

कद्दू को बॉडी स्क्रब के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कद्दू की प्यूरी में ब्राउन शुगर और जैतून के तेल को मिलाकर बॉडी स्क्रब के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। ब्राउन शुगर और कद्दू मिलकर अपने नेचुरल एंजाइम्स के साथ त्वचा को धीरे से एक्सफोलिएट करते हैं। जैतून का तेल को गहराई से मॉइश्चराइज करता है, जिससे स्किन सॉफ्ट और स्मूद हो जाती है।

कद्दू हेयर मास्क

ड्राई और डैमेज बालों से छुटकारा पाने के लिए महंगे ट्रीटमेंट लेने के बजाए कद्दू का हेयर मास्क लगाएं। गजब का फायदा मिलेगा और बाल जड़ से स्ट्रांग होंगे। इसके लिए बस कद्दू की प्यूरी को दही और 1 चम्मच नारियल तेल में मिला लें। कद्दू विटामिन ए और सी से भरपूर होता है, जो बालों के विकास में मददगार है। इससे बाल जल्दी बड़े होते हैं। वहीं दही में मौजूद प्रोटीन और नारियल तेल बालों की स्थिति को ठीक करता है। गीले बालों पर इस मास्क को लगाएं, 30 मिनट के लिए इसे लगा छोड़ दें। फिर शैंपू और कंडीशन करें।

पाचन रहेगा स्वस्थ इम्यूनिटी बनेगी मजबूत, जानें नाश्ते में दही खाने के अनगिनत फायदे

कुछ लोग नाश्ते में रोज दही का सेवन करते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर दही नाश्ते में खाना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, प्रोटीन, मिनरल्स, आयरन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और फोलिक एसिड मौजूद होता है। यह सारे पोषक तत्व सेहत को ढेरों फायदे देने में मदद करते हैं। सुबह नाश्ते में इसका सेवन करने से शरीर को एनर्जी मिलती है। दही में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं जो आंत में गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। नाश्ते में दही खाने से और भी ढेरों फायदे मिलते हैं। तो आइए जानते हैं।

पाचन रहेगा स्वस्थ

दही में पाए जाने वाले गुण पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से दस्त, कब्ज जैसी समस्याओं से भी बचाव होता है। इसके अलावा दही में विटामिन–बी12 और लैक्टोबेसिल्स बैक्टीरिया पाया जाता है जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया के विकास में मदद करता है। दही का सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर होती है और पाचन संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलती है। यदि आपका पाचन तंत्र कमजोर है तो नाश्ते में दही का सेवन जरुर करें।

हड्डियां बनेगी मजबूत

नाश्ते में दही खाने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। दही में कैल्शियम, प्रोटीन और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। रोजाना नाश्ते में दही का सेवन करने से अर्थराइटिस और हड्डियों से जुड़ी समस्याओं में लाभ होता है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

नाश्ते में दही का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत बनती है। इसमें विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है ऐसे में यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। दही का सेवन करने से आप कई तरह की बीमारियों और इंफेक्शन से भी दूर रहेंगे।

वजन कम करने में मिलेगी मदद

दही में प्रोटीन और कैल्शियम अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं ऐसे में यह वजन घटाने में मदद करता है। दही में पाए जाने वाले गुण शरीर में कार्टिसोल हार्मोन को कम करते हैं जिससे तनाव कम होता है और वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दही में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं जो पाचन को बेहतर बनाते हैं और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद करते हैं। नाश्ते में दही खाने से शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को रोकने में भी मदद मिलती है।

हाई बीपी रहेगा कंट्रोल

यदि आपका बीपी बढ़ता है तो भी आपके लिए दही का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें मैग्नीशियम पाया जाता है जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है। दही शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करता है जिससे दिल संबंधी बीमारियों का जोखिम भी कम होता है।

नोटः सुबह नाश्ते में दही का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि खाली पेट दही न खाएं नहीं तो एसिडिटी की समस्या बढ़ सकती है।

कुंभलगढ़ किले का एक बार जरूर करना चाहिए दीदार, 'द ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया' देख दबा लेंगे दांतों तले उंगली

राजस्थान अपनी अनूठी परंपराओं और खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। यहां पर कई दार्शनिक स्थल हैं, जिनको देखने के लिए सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। इस राज्य में कई खूबसूरत किले और महल मौजूद हैं। जो इस राज्य की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। इन्हीं में से एक कुंभलगढ़ का किला है। इस महल की खूबसूरती को निहारने के लिए दूर–दूर से लोग यहां पहुंचते हैं। कुंभलगढ़ किला जितना शानदार है, उतना ही अधिक शानदार इसका इतिहास है। ऐसे में अगर आप भी राजस्थान घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको कुंभलगढ़ किले का दीदार जरूर करना चाहिए। तो आइए जानते हैं कुंभलगढ़ किले का शानदार इतिहास...

जानिए कुंभलगढ़ किले का इतिहास

यह किला अपनी विशाल दीवारों के लिए भी जाना जाता है। बता दें कि चीन की ग्रेट वॉल के बाद दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार इस किले की मानी जाती हैं। कुंभलगढ़ किले की दीवारें 36 किलोमीटर तक फैली हैं। जिसके कारण इस किले की दीवार को भारत की सबसे लंबी दीवार के रूप में भी जाना जाता है। राजस्थान के राजसमंद जिले में यह किला स्थित है। जोकि अरावली पहाड़ों की पश्चिमी श्रृंखला पर उदयपुर से लगभग 84 किमी दूर है। मेवाड़ क्षेत्र के शासक राणा कुंभा द्वारा 15वीं शताब्दी में इस किले का निर्माण करवाया गया था।

अभेद्य किला है कुंभलगढ़

कुंभलगढ़ किले को अपनी मजबूत सुरक्षा और पृथक स्थान के चलते देश के सबसे अभेद्य किलों में से एक माना जाता है। कुंभलगढ़ किले को मेवाड़ किले के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि इसी स्थान पर महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था। दुश्मन से बचने के लिए इस किले में हर चीज बनाई गई थी। वहीं किले में 13 पर्वत चोटियां, 7 दरवाजे और कई वॉच टावर भी हैं। जो दुश्मनों के लिए इसे अधिक चुनौतीपूर्म बनाती हैं। ऐतिहासिक अभिलेखों के मुताबिक इस किले को दुश्मनों द्वारा सिर्फ एक बार घेरा गया था।

किले में मौजूद हैं सात द्वार

राजस्थान के इस अभेद्य किले में प्रवेश करने के लिए सात गढ़वाल प्रवेश द्वार थे। इन सातों दरवाजों का नाम अरेट पोल, हनुमान पोल, राम पोल, विजय पोल, निंबू पोल, पाघरा पोल और टॉप खाना पोल है। किले के अंदर बादल महल को भी देख सकते हैं। बादल महल किले के सबसे ऊंचे स्थान पर बना है। इस महल से बादलों और ग्रामीण इलाकों का मनमोकल दृश्य देखने को मिलता है। इस कि के परिसर में करीब 360 मंदिर बने हुए हैं। जिनमें से सबसे ज्यादा फेमस श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर है।

यूनेस्को विश्व धरोहर

कुंभलगढ़ किला अपनी बहुत सारी खूबियों और शानदार इतिहास के कारण यूनेस्को विश्व धरोहर की लिस्ट में शामिल है। राजस्थान के पहाड़ी किलों का हिस्सा रहा कुंभलगढ़ साल 2013 में यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल हो चुका है। आप भी पर्यटक भारी संख्या में इस किले की भव्यता को देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। वहीं शाम के समय आप यहां पर शानदार लाइट और साउंड शो का लुत्फ उठा सकते हैं।

संक्षिप्त

पश्चिम एशिया में जारी तनाव से वैश्विक बाजारों पर जोखिम

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, खासकर ईरान और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर स्थिति, वैश्विक बाजारों के लिए निकट अवधि में जोखिम पैदा कर सकती है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार तनाव बढ़ने के बाद ऊर्जा बाजारों में तेज प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस दौरान ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 13प्रतिशत और यूरोपीय प्राकृतिक गैस की कीमतों में 55प्रतिशत तक उछाल दर्ज किया गया। जेफरीज ने कहा कि यह बढ़ोतरी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के संभावित बंद होने की आशंका से जुड़ी है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम मार्ग है। ऐसे किसी व्यवधान से भारत जैसे तेल आयातक देशों की आयात लागत और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है।

अनिल अंबानी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़े धन शोधन मामले में मुंबई और हैदराबाद में कई ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी की करीब 15 टीमें इस कार्रवाई में लगी हैं और कंपनी व उसके अधिकारियों से जुड़े लगभग 10 से 12 स्थानों की तलाशी ली जा रही है। ईडी की यह जांच उद्योगपति अनिल अंबानी से जुड़ी कई कंपनियों के खिलाफ कथित बैंक लोन फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (थ्म्ड।) के तहत वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, 66 वर्षीय अनिल अंबानी से इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून के तहत पहले भी दो बार पूछताछ की जा चुकी है। इस मामले की जांच के लिए ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एक विशेष जांच दल का गठन किया है। एजेंसी ने शीर्ष अदालत को दी जानकारी में बताया है कि अनिल धीरूभाई अंबानी समूह से जुड़े बैंक लोन फ्रॉड और अन्य वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए अब तक तीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले दर्ज किए गए हैं।

गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 572 अंक टूटा, निफ्टी 24600 के नीचे

नई दिल्ली ,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भू–राजनीतिक संघर्ष और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच एक दिन की राहत के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी शेयर बाजारों में कमजोरी और एशियाई बाजारों में सुस्त रुझान ने भी बाजार की भावनाओं को प्रभावित किया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 572.43 अंक गिरकर 79,443.47 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.75 अंक गिरकर 24,587.15 पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया स्थिर रहा और 2 पैसे बढ़कर 91.62 पर पहुंच गया। यह बढ़त अमेरिका द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट की घोषणा के बाद हुई, जिससे पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा प्रवाह पर दबाव कम हुआ। सेंसेक्स पैक में, आईसीआईसीआई बैंक, इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट वी.के. विजयकुमार ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में करीब 16 प्रतिशत की बढ़त हुई है, लेकिन यह पिछले भू–राजनीतिक संकटों के मुकाबले बड़ी तेजी नहीं है। इसका कारण वैश्विक बाजार में तेल की संभावित बड़ी आपूर्ति है। उन्होंने कहा कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव कम होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आ सकती है और बाजारों में फिर से तेजी देखने को मिल सकती है। विजयकुमार के अनुसार, जब तक ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती है, तब तक बाजार पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अगर कीमत 90 डॉलर से ऊपर बढ़कर 100 डॉलर के करीब पहुंचती है, तो इसका असर वैश्विक बाजारों पर पड़ सकता है। इसलिए निवेशकों को कच्चे तेल की कीमतों पर नजर बनाए रखनी चाहिए।

अक्षर का 24 मीटर पीछे दौड़कर लिया कैच देखा! क्यों याद आया 2024 का विश्वकप?

मुंबई,एजेंसी। टी20 विश्वकप 2026 के सबसे रोमांचक मैचों में से एक मैच गुरुवार को खेला गया। मुंबई के वानखेड़े में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को हाईस्कोरिंग मैच में सात रन से तो हराया, लेकिन भारतीय फैंस की सांसें अटक गई थीं। जेकब बेथेल के वन मैन आर्मी शो ने लगभग भारत से जीत छीन ही ली थी, लेकिन क्रंच मोमेंट में सूझबूझ ने टीम इंडिया को जीत दिलाई। इस मैच में सबसे खास बात टीम इंडिया की फील्डिंग रही। अक्षर पटेल ने मुश्किल कैच लपके और भारत की जीत सुनिश्चित की। अक्षर का तीन कैचों में योगदान रहा, जिसमें से दो तो काफी मुश्किल थे। इन्हें कैच ऑफ द टूर्नामेंट भी कहा जा रहा है। अक्षर के इन कैचों की तुलना 2024 टी20 विश्वकप से की जा रही है। ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स स्टार स्पोर्ट्स ने तो अक्षर के कैचों का वीडियो शेयर करते हुए लिखा– बापू बल्लेबाजों के लिए हानिकारक है।

दरअसल, अक्षर ने बुमराह के पहले ओवर की पहली गेंद पर ब्रूक का कैच 24 मीटर पीछे दौड़ते हुए और डाइव लगाते हुए लपका। इस कैच ने ब्रूक की अहम विकेट दिलाई और मैच कुछ हद तक भारत की ओर मुड़ा, क्योंकि ब्रूक इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे हैं। इसके बाद एक वक्त विल जैक्स और जेकब बेथेल मैदान पर जम गए और 39 गेंद में 77 रन की साझेदारी कर डाली। दोनों ने चौके–छक्कों की बरसात कर दी थी। तभी अर्शदीप की फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट पर खेला। वहां बाउंड्री लाइन पर खड़े अक्षर ने 21 मीटर कवर किया और दौड़ते हुए कैच लपका। हालांकि, उनकी स्पीड इतनी थी कि उन्हें लगा कि वह बाउंड्री लाइन के पार चले जाएंगे। अक्षर ने सूझबूझ दिखाते हुए बाउंड्री लाइन के पार जाने से पहले गेंद को शिवम दुबे की ओर टॉस कर दिया और दुबे ने

कैच को कम्प्लीट किया। इस तरह खतरनाक विल जैक्स 20 गेंद में 35 रन बनाकर आउट हुए। यह दोनों कैच क्रंच मोमेंट पर आए और दो अहम इंग्लिश खिलाड़ी पवेलियन लौटे। इसने मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

अब अक्षर के कैच की तुलना 2024 में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान देने वाले दो कैचों से हो रही है। पहला कैच खुद अक्षर का था और दूसरा सूर्यकुमार यादव का। दरअसल, 2024 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सुपर–8 का 51वां मुकाबला खेला गया था। सेंट लूसिया में खेले गए इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 205 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट पर वॉर्नर के रूप में पहला झटका लगा था। हालांकि, इसके बाद ट्रेविस हेड और कप्तान मिचेल मार्श मैदान पर जम गए थे। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ 81 रन जोड़े। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई पारी के नौवें ओवर में कुलदीप यादव की गेंद पर मार्श ने लंबा शॉट खेला। पर गेंद बाउंड्री लाइन पर खड़े अक्षर के हाथों में चिपक गई। अक्षर ने वह कैच एक हाथ से लपका था। यह मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ था भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया था। स्टार स्पोर्ट्स ने इसका वीडियो भी शेयर किया है।

वहीं, टी20 विश्वकप का दूसरा कैच, जिससे अक्षर के कैच की तुलना हो रही है, वह है सूर्यकुमार का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में लिया गया कैच। फाइनल में भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 19 ओवर में छह विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे। केशव महाराज और डेविड मिलर क्रीज पर थे और जीत के लिए छह गेंद में 16 रन की दरकार थी। मिलर आमतौर पर ऐसे मैच निकाल लेते हैं और उनको आउट करना बेहद जरूरी था। हार्दिक की पहली ही गेंद पर मिलर ने लॉन्ग ऑफ पर शॉट खेला, लेकिन वहां खड़े सूर्यकुमार ने बाउंड्री लाइन पर गजब का करतब दिखाते हुए बेहतरीन कैच लपका। यह टर्निंग पॉइंट साबित हुआ और भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब जीता था।

बारबाडोस की गलियों से निकला क्रिकेट का नया सितारा

मुंबई,एजेंसी। क्रिकेट की दुनिया में कई कहानियां ऐसी होती हैं जो किसी फिल्म की कहानी जैसी लगती हैं। जैकब बेथल की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। 23 अक्तूबर 2003 को कैरिबियाई देश बारबाडोस के शहर ब्रिजटाउन में जन्मे बेथल का बचपन क्रिकेट के माहौल में बीता। यह वही धरती है जिसने दुनिया को महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स जैसा खिलाड़ी दिया। गली क्रिकेट, क्लब मैच और परिवार के साथ अभ्यास, यही उनकी शुरुआती जिंदगी का हिस्सा था। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि यही लड़का एक दिन वेस्टइंडीज नहीं, बल्कि इंग्लैंड की जर्सी पहनकर विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत जैसी टीम को चुनौती देगा। अगर किस्मत थोड़ा अलग होती तो बेथल शायद इंग्लैंड नहीं बल्कि वेस्टइंडीज के लिए खेल रहे होते, क्योंकि उनका जन्म और पालन–पोषण, सब कैरेबियाई देश बारबाडोस में हुआ था, लेकिन 13 साल की उम्र में उन्हें इंग्लैंड के नामी रग्बी स्कूल में क्रिकेट स्कॉलरशिप मिली और यहीं से उनकी जिंदगी की दिशा बदल गई।

बेथल का क्रिकेट से रिश्ता सिर्फ शौक नहीं बल्कि पारिवारिक विरासत है। उनके परिवार में क्रिकेट हमेशा से मौजूद रहा। पिता ग्राहम बेथल, बारबाडोस में क्लब क्रिकेट खेल चुके हैं और बेटे के शुरुआती कोच भी रहे।वहीं, दादा आर्थर बेथल, बारबाडोस के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेल चुके थे और पिकविक क्लब के कप्तान भी रहे। मां गिसेल बेथल ने बेटे के अभ्यास में अहम भूमिका निभाई और अक्सर घर के आंगन में गेंदबाजी कर जैकब को अभ्यास करवाती थीं। ऐसे माहौल में क्रिकेट उनके लिए सिर्फ खेल नहीं बल्कि जीवन का हिस्सा बन गया। जैकब बेथल की जिंदगी में सबसे बड़ा बदलाव तब आया जब उन्हें इंग्लैंड के प्रतिष्ठित रग्बी स्कूल में क्रिकेट स्कॉलरशिप मिल गई। महज 13 साल की उम्र में वह बारबाडोस छोड़कर इंग्लैंड चले गए। यह फैसला आसान नहीं था। नई जगह, नई संस्कृति और नई चुनौतियां, लेकिन इसी फैसले ने उनके करियर की दिशा बदल दी। इंग्लैंड पहुंचने के बाद उन्होंने काउंटी क्रिकेट खेलना शुरू किया और जल्द ही वार्विकशायर अकादमी से जुड़ गए। यहीं से उनका क्रिकेट करियर तेजी से आगे बढ़ने लगा। महज 17 साल की उम्र में उन्होंने प्रोफेशनल कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और 2021 में टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट से अपना डेब्यू किया।2022 में खेले गए अंडर–19 विश्व कप ने जैकब बेथल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। वह इंग्लैंड की उस अंडर–19 टीम का हिस्सा बने, जिसने विश्व कप के फाइनल तक का सफर तय किया। क्वार्टरफाइनल में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 42 गेंदों में 88 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी पहचान बना ली। इस प्रदर्शन ने दुनिया को बता दिया कि यह खिलाड़ी बड़े मंच के लिए बना है।

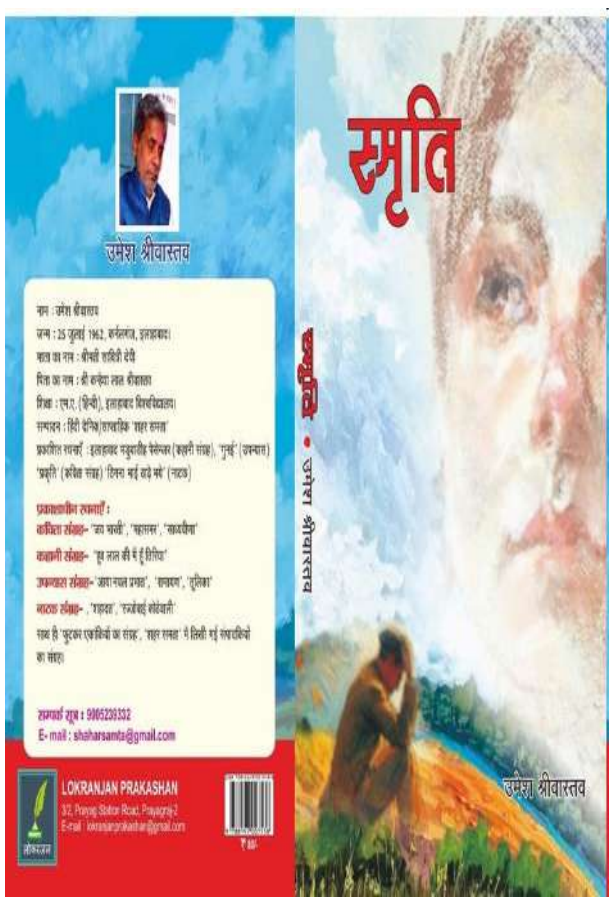

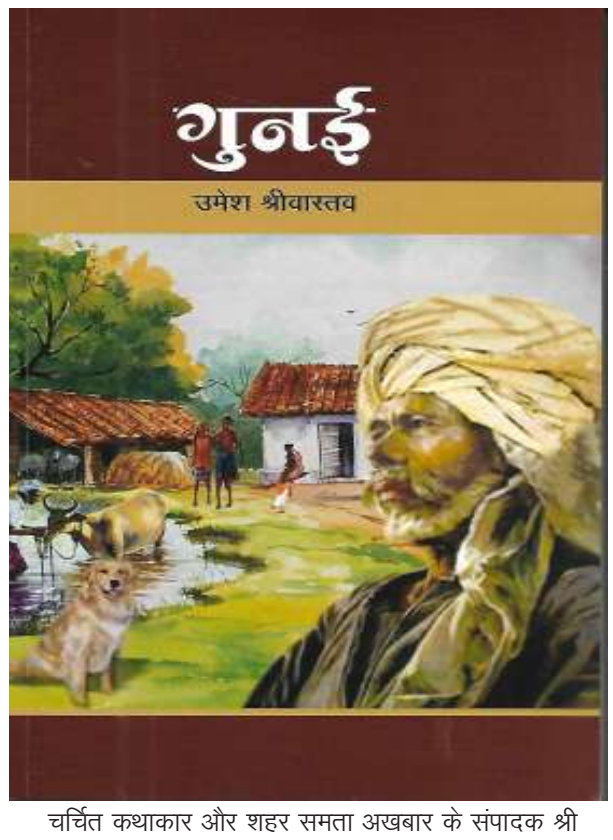

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

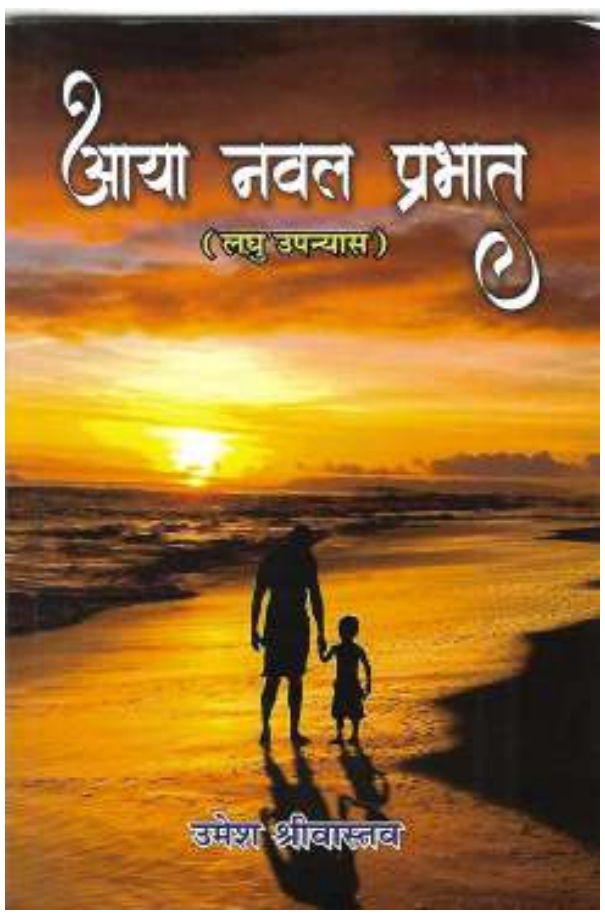

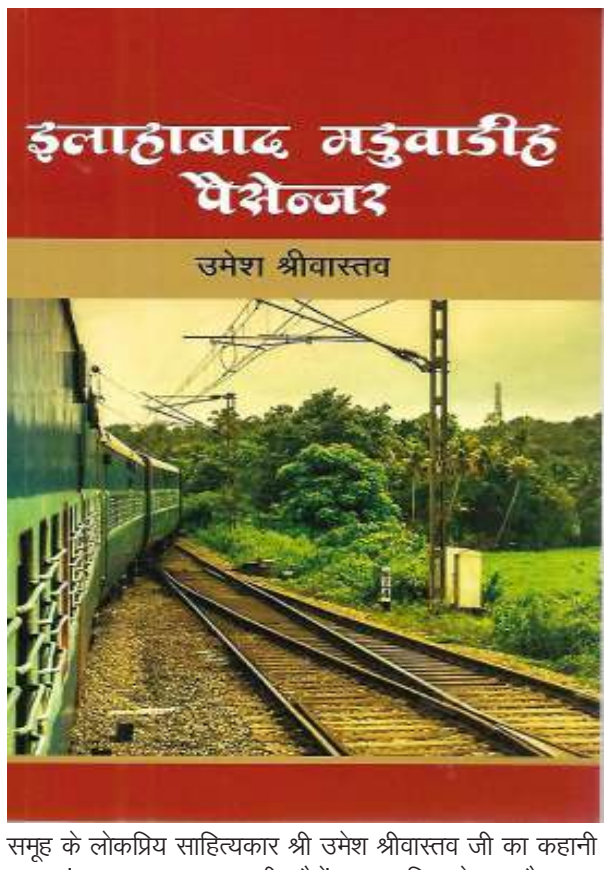

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

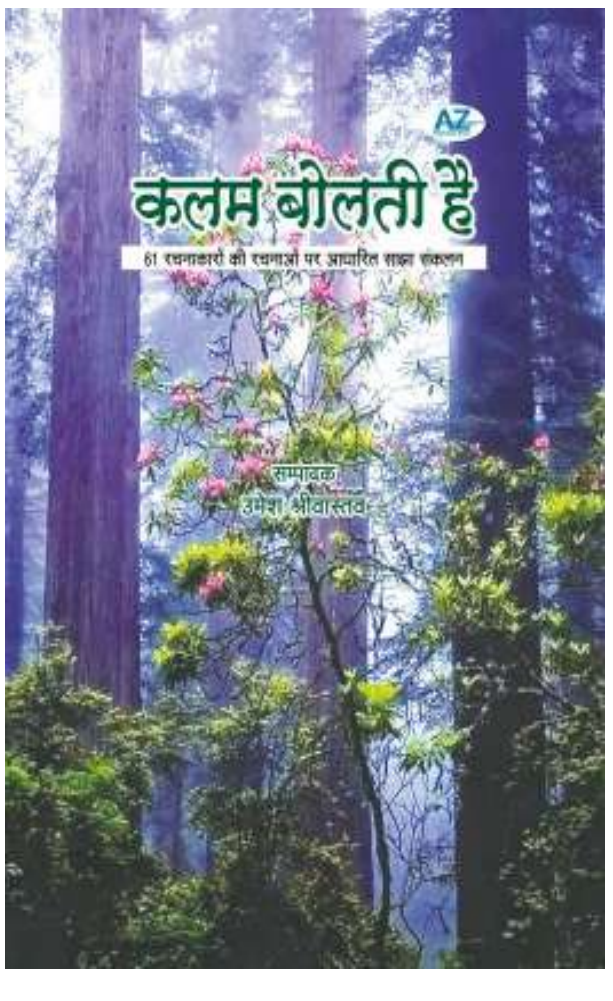

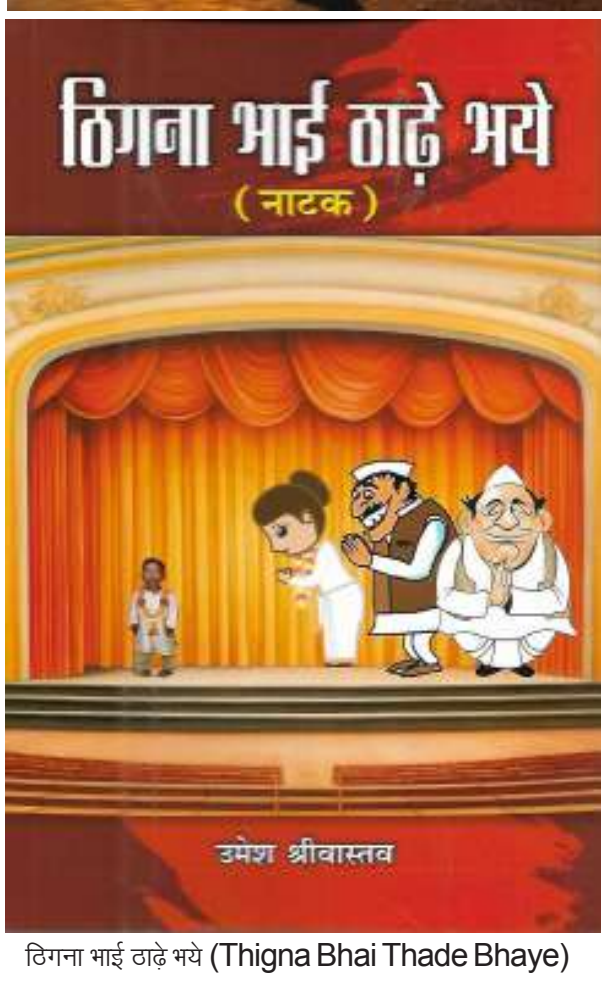

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

क्या ईरान में स्कूल पर हुए हमले में अमेरिका था शामिल? जांच में बड़ा दावा, ट्रंप की बढ़ सकती है टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के दक्षिणी शहर मिनाब में एक लड़कियों के स्कूल पर हुए घातक हमले को लेकर अमेरिकी सेना जांच कर रही है। प्रारंभिक आकलन में अमेरिकी सैन्य जांचकर्ताओं को आशंका है कि इस हमले में संभवतः अमेरिकी बल शामिल हो सकते हैं, हालांकि जांच अभी पूरी नहीं हुई है और अंतिम निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा गया है। यह हमला शनिवार को उस समय हुआ जब अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई की शुरुआत की थी। ईरान के जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अली बहरेनी ने दावा किया है कि इस हमले में 150 छात्राओं की मौत हुई। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को स्वीकार किया कि अमेरिकी सेना इस घटना की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका कभी भी नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाता, लेकिन घटना की पूरी जांच की जा रही है। पेंटागन ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि घटना की जांच चल रही है। वहीं व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरानी शासन नागरिकों और बच्चों को निशाना बनाता है, अमेरिका नहीं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा कि अमेरिका जानबूझकर किसी स्कूल को निशाना नहीं बनाएगा। उन्होंने कहा कि अगर यह हमला अमेरिकी सेना द्वारा किया गया होगा तो रक्षा विभाग इसकी जांच करेगा। सूत्रों के मुताबिक ईरान में सैन्य अभियानों के दौरान अमेरिका और इस्राइल ने अपने हमलों को भौगोलिक क्षेत्रों और लक्ष्यों के आधार पर बांट रखा था। जहां इस्राइल पश्चिमी ईरान में मिसाइल लॉन्च साइट्स को निशाना बना रहा था, वहीं अमेरिका दक्षिणी ईरान में मिसाइल और नौसैनिक ठिकानों पर हमले कर रहा था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने भी इस घटना की स्वतंत्र जांच की मांग की है। प्रवक्ता रविना शमदासानी ने कहा कि जिस भी पक्ष ने यह हमला किया है, उस पर इसकी जांच की जिम्मेदारी है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत स्कूल, अस्पताल या अन्य नागरिक ढांचे पर जानबूझकर हमला करना युद्ध अपराध माना जा सकता है। अगर जांच में अमेरिकी भूमिका की पुष्टि होती है तो यह पश्चिम एशिया में अमेरिकी अभियानों के दौरान नागरिक हताहतों की सबसे गंभीर घटनाओं में से एक मानी जा सकती है।

ईरान ने 'समझौते' के लिए अमेरिका से संपर्क साधा, ट्रंप बोले- आप थोड़ा देर से आए

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले में ईरान को बड़ा नुकसान हो रहा है। शुक्रवार (06 मार्च) को पश्चिम एशिया में चल रही जंग अपने सातवें दिन में प्रवेश कर चुकी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि भारी सैन्य नुकसान झेलने के बाद ईरान अब बातचीत करना चाहता है। ट्रंप ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईरान ने अमेरिका से श्समझौताश करने का तरीका पूछने के लिए संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि आप थोड़ा देर से आए हैं। इतना ही नहीं ट्रंप ने कहा कि अब अमेरिका ईरान की तुलना में श्ज्यादा लड़नेश के पक्ष में है। 2025 एमएलएस चौंपियन इंटर मियामी सीएफ को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश तेजी से ईरान की सैन्य ताकत को कमजोर कर रहे हैं। उनके मुताबिक ईरान पहले ही बातचीत के लिए संपर्क करने लगा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना, श्शानदारश इस्राइली बलों के साथ मिलकर हर घंटे ईरान की मिसाइलों और ड्रोन क्षमताओं को नष्ट कर रही है। इंटर मियामी सॉकर टीम के साथ एक कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रंप ने कहा, ष्वे (ईरान) कॉल कर रहे हैं, वे कह रहे हैं हम डील कैसे करें? मैंने कहा, श्आप थोड़ा देर कर रहे हैं।श अब हम उनसे ज्यादा लड़ने के इच्छुक हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन अवसंरचना को श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश के तहत भारी निशाना बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के वायु सेना और नौसेना को भारी नुकसान हुआ है। ट्रंप के अनुसार ईरान के 24 जहाज तीन दिनों में नष्ट हो गए, उनके एंटी–एयरक्राफ्ट हथियार गायब हो गए हैं, जिससे उनकी वायु सेना पूरी तरह से निष्क्रिय हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लगभग 60 से 64 प्रतिशत विमान, संचार प्रणाली, मिसाइलें और लॉन्चर नष्ट हो चुके हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड, सेना और पुलिस से हथियार डालने की अपील की है, अन्यथा उन्हें श्मार दिया जाएगाश। उन्होंने कहा, श्यह ईरानी लोगों के लिए खड़े होने और अपने देश को वापस लेने का समय है।श ट्रंप ने आत्मसमर्पण करने वालों को श्इम्यूनिटीश (सुरक्षा) देने की पेशकश की, और कहा कि जो सहयोग नहीं करेंगे, उन्हें श्निश्चित मृत्युश का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने दुनिया भर में तैनात ईरानी राजनयिकों से शरण मांगने और देश के लिए एक श्नए और बेहतर भविष्यश को आकार देने में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि अमेरिका यह सुनिश्चित करेगा कि अगला नेतृत्व चाहे जो भी हो, ईरान अमेरिका या उसके पड़ोसियों को खतरा नहीं पहुंचाएगा।

पश्चिम एशिया में और बढ़ेगी जंग की आग? कूर्द समूहों को उतारने की तैयारी में ट्रंप, ईरान के लिए खतरनाक कैसे?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका– इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के छठे दिन पश्चिम एशिया का संघर्ष और जटिल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इराक के कई कुर्द समूहों के नेताओं से हालिया बातचीत की खबरों के बीच ईरान ने इराक के स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र में स्थित कुर्द ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। तेहरान इन समूहों को ईरान विरोधी अलगाववादी ताकतें बता रहा है, जबकि विश्लेषकों का मानना है कि वॉशिंगटन इन कुर्द संगठनों का उपयोग ईरान के भीतर सैन्य दबाव बढ़ाने और संभावित विद्रोह को बढ़ावा देने के लिए कर सकता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

तीन महीने पहले ही बन गया था खामेनेई के खात्मे का प्लान, इस्राइली रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली सरकार ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला पिछले साल नवंबर में ही ले लिया था। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस मिशन को मूल रूप से लगभग छह महीने बाद यानी 2026 के मध्य तक पूरा करने की योजना थी। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने गुरुवार को बताया कि यह रणनीतिक लक्ष्य पिछले साल के अंत में एक उच्च–स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान स्थापित किया गया था। उन्होंने एक समाचार चौनल एन12 को बताया, श्नवंबर में ही हम प्रधानमंत्री के साथ एक बहुत ही गोपनीय बैठक में थे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई को खत्म करने का लक्ष्य तय किया था। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के

भीतर चल रही घरेलू अशांति के बाद इस ऑपरेशन की समय–सीमा को बढ़ाया गया। इस्राइल ने अपनी इस रणनीति को वाशिंगटन के साथ साझा किया और मिशन को जनवरी के आसपास आगे बढ़ाया। इस्राइल काट्ज ने समझाया कि यह समायोजन इसलिए किया गया, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि तेहरान में दबाव में चल रहा नेतृत्व पश्चिम एशिया में इस्राइली और अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ शत्रुता शुरू कर सकता है। खामेनेई की हत्या शनिवार को शुरू हुए श्ऑपरेशन रोरिंग लायनश और श्एपिक फ्यूरीश के शुरुआती घंटों में की गई। यह पहली बार है जब किसी संप्रभु राष्ट्र के शीर्ष नेता को हवाई हमले से मारा गया है। इस्राइल का कहना है कि उसके मुख्य उद्देश्य ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट और परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले श्अस्तित्वगत खतरेश को खत्म करना और श्शासन परिवर्तनश को सुविधाजनक बनाना है। इस बड़े हमले के बाद इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अपने हवाई अभियान को और तेज कर दिया है।

गुरुवार को प्क्थ् ने घोषणा की कि उन्होंने तेहरान में 12वीं लहर के हमले पूरे कर लिए हैं, जिसमें ईरान की प्रमुख सुरक्षा और सैन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया। उच्च–प्राथमिकता वाले लक्ष्यों में अलबरज प्रांत में एक विशेष इकाई का मुख्यालय शामिल था, जो सभी आंतरिक सुरक्षा बलों के लिए जिम्मेदार है। इस्राइल वायु सेना (प्।थ्) ने कहा, श्आईडीएफ ने तेहरान में हमलों की 12वीं लहर पूरी की श्अलबरजश प्रांत में ईरानी आतंकवादी शासन की विशेष इकाई का मुख्यालय, साथ ही बासिज बल के ठिकानों और आंतरिक सुरक्षा पर हमला किया गया। आईडीएफ ने एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में पुष्टि की है कि अलबरज मुख्यालय क्षेत्र की सभी विशेष इकाइयों को कमांड करता है और शासन के सशस्त्र बलों को निर्देशित करने का काम करता है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्त्ळब्) और बासिज अर्धसैनिक बल की अतिरिक्त सुविधाओं को भी निशाना बनाया गया। आईएएफ ने ईरान के सशस्त्र आंतरिक सुरक्षा बलों के लिए एक केंद्रीय कमांड सेंटर को भी निशाना बनाया। ईरानी शासन के खिलाफ अभियान के तहत हथियारों के भंडारण और उत्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली दर्जनों अतिरिक्त साइटों पर भी हमला किया गया। आईएएफ ने कहा, श्आईडीएफ तेहरान में ईरानी आतंकवादी शासन के सभी तंत्रों पर प्रभाव गहरा कर रहा है।

ईरान का जवाबी वारः अमेरिका की 'आंख' पर हमला, 5000 किमी रेंज वाला वार्निंग सिस्टम तबाह्य जानें कैसे बड़ा नुकसान ?

दोहा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने एक ऐसा हमला किया है, जिसे अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने कतर में स्थित अमेरिका के एक प्रमुख मिसाइल वार्निंग रडार सिस्टम को निशाना बनाया है, जिसकी रेंज 5000 किलोमीटर बताई जा रही है।

इस हमले को अमेरिका के लिए श्बड़ा नुकसानश करार दिया जा रहा है। यह खबर ऐसे वक्त पर सामने आई है, जब अमेरिका ने हिंद महासागर में एक ईरानी पोत को डूबो दिया, जिसमें 80 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्म्स (IRGC) द्वारा किए गए इस हमले ने कतर में तैनात अमेरिकी सेना की मिसाइल चेतावनी प्रणाली को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस प्रणाली को क्षेत्र में अमेरिका की श्आंखश के रूप में देखा जाता था, और यह अमेरिकी मिसाइल रक्षा नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी।

लगभग 1.1 अरब डॉलर की लागत वाला यह रडार सिस्टम, संभावित मिसाइल हमलों का समय रहते पता लगाने की अमेरिका की क्षमता को कमजोर कर सकता है। अंतरिक्ष से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों ने अमेरिकी सैन्य ढांचे को हुए नुकसान की पुष्टि की है। प्लैनेट लैब्स द्वारा जारी इन तस्वीरों में अमेरिकी स्पेस फोर्स के ।N/FPS–132 (ब्लॉक 5) बैलिस्टिक मिसाइल अर्ली वार्निंग रडार सिस्टम के आसपास क्षति और आग बुझाने की गतिविधियां दिखाई दी हैं। यह मध्य पूर्व में अमेरिकी सेना द्वारा संचालित सबसे बड़ा मिसाइल चेतावनी रडार माना जाता है। यह रडार सिस्टम अमेरिकी रक्षा कंपनी रेथियॉन द्वारा अपग्रेडेड अर्ली वार्निंग रडार (UEWR) कार्यक्रम के तहत विकसित किया गया था। इसकी 5000 किलोमीटर तक की दूरी पर बैलिस्टिक मिसाइलों और अन्य हवाई खतरों को ट्रैक करने की क्षमता इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है।

पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में मिसाइल लॉन्च का शुरुआती अलर्ट देने में यह प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कतर में इसकी रणनीतिक स्थिति के कारण, यह ईरान, इराक, सीरिया, तुर्किये, मध्य एशिया के कुछ हिस्सों और हिंद महासागर तक की निगरानी कर सकता था। अमेरिका के पूर्व सैन्य अधिकारी और पेंटागन के पूर्व सलाहकार कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने इस हमले को श्अमेरिका की आंखश को निशाना बनाने जैसा बताया है। उनका मानना है कि यह सिस्टम अमेरिकी मिसाइल रक्षा तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। भू–राजनीति विशेषज्ञ ब्रायन एलन ने भी कहा है कि इस हमले के गंभीर रणनीतिक असर हो सकते हैं। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि हालांकि अमेरिका के पास सैटेलाइट और अन्य रडार सहित एक वैश्विक सेंसर नेटवर्क है, लेकिन AN/FPS–132 जैसे बड़े और स्थायी रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचने से क्षेत्रीय निगरानी में अंतर आ सकता है। ऐसे बड़े रडार सिस्टम को जल्दी बदलना या दोबारा स्थापित करना आसान नहीं होता, जिससे कुछ समय के लिए मिसाइल निगरानी और ट्रैकिंग क्षमता कमजोर हो सकती है।

यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि इस क्षेत्र में अमेरिका के कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने और दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े प्रमुख समुद्री मार्ग स्थित हैं।

ईरान की जंग खत्म होने के बाद कौन सा देश होगा अमेरिका का अगला निशाना? ट्रंप ने कर दिया खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर अमेरिका की नीति में बदलाव के संकेत दिए हैं। व्हाइट हाउस में फुटबॉल टीम श्इंटर मियामीश के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। ट्रंप ने साफ किया कि

फिलहाल उनकी सरकार की प्राथमिकता ईरान में चल रहे संघर्ष को पूरी तरह समाप्त करना है। ट्रंप ने कहा कि ईरान का मुद्दा सुलझने के बाद क्यूबा की बारी आएगी। उनके मुताबिक, क्यूबा की सरकार अमेरिका के साथ समझौता करने के लिए बहुत बेताब है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही वह समय आएगा जब बहुत से लोग क्यूबा वापस जा सकेंगे। फिलहाल अमेरिका और इजरायल ईरान के खिलाफ एक बड़े सैन्य अभियान में शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि पहले इस काम को पूरा करना जरूरी है, जिसके बाद क्यूबा को लेकर नई पहल की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो की जमकर तारीफ की। उन्होंने रुबियो से कहा, श्मार्को, आप शानदार काम कर रहे हैं। क्यूबा के मामले में भी आपने बहुत अच्छा काम किया है।श ट्रंप ने इशारा किया कि क्यूबा से जुड़ी कुछ नई बातें जल्द ही सामने आ सकती हैं। इस कार्यक्रम में इंटर मियामी के सह–मालिक जॉर्ज मास भी मौजूद थे। जॉर्ज मास का परिवार आजादी की तलाश में क्यूबा छोड़कर अमेरिका आया था। मास ने अपने परिवार की कहानी सुनाते हुए बताया कि उनका फुटबॉल प्रोजेक्ट भी उन प्रवासी परिवारों के सपनों और मूल्यों से प्रेरित है, जो बेहतर अवसर की तलाश में अमेरिका आए थे। ट्रंप ने कहा कि जो लोग दशकों पहले क्यूबा छोड़कर चले गए थे, वे भविष्य में वहां वापस जा सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें उम्मीद है कि वे लोग वहां बसने के लिए नहीं जाएंगे। राष्ट्रपति ने इन बदलावों की कोई तय समयसीमा नहीं बताई। बता दें कि अमेरिका और क्यूबा के संबंध पिछले कई दशकों से तनावपूर्ण रहे हैं। 1959 में फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व में हुई क्रांति के बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई थी। शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने क्यूबा पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, जिनमें से कई आज भी लागू हैं। अब ट्रंप के बयान से वाशिंगटन की नीति में बदलाव की संभावना दिख रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ट्रंप के व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट का भारी विरोध, समीक्षा समिति पर फूटा जनता का गुस्सा

वाशिंगटन , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्लान पर जमकर हंगामा हुआ। इस प्रोजेक्ट का रिव्यू करने वाले एक सरकारी पैनल (नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन) को गुरुवार को जनता के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। मीटिंग में शामिल होने वाले लगभग सभी लोगों ने इस प्रोजेक्ट की आलोचना की और इसे बहुत बड़ा और बेकार बताया। मार्च की इस मीटिंग में पहले दो घंटों के दौरान 28 लोगों ने अपनी बात रखी। इनमें से सिर्फ एक व्यक्ति ने प्रोजेक्ट का समर्थन किया, जबकि बाकी सब इसके खिलाफ थे। एक आम नागरिक काई रोवन ने इसे भद्दा और जरूरत से ज्यादा बड़ा बताया। इलिनोइस की पूर्व मेयर डायने मार्लिन ने कमीशन से अपील की कि वे इस पर फिर से विचार करें। उन्होंने कहा कि इसे सही करने के लिए और समय लेना चाहिए। इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3300 करोड़ रुपये) है। ट्रंप का प्लान है कि यह पैसा अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों से दान के रूप में लिया जाए। इसी बात पर सबसे ज्यादा विवाद है। भ्रष्टाचार विरोधी संस्था कॉमन कॉज की एबिगेल बेलोज ने सवाल उठाया कि ये डोनर्स लाखों डॉलर बिना किसी फायदे के क्यों देंगे? उन्होंने आशंका जताई कि इसके बदले में डोनर्स सरकार से कुछ उम्मीद रख सकते हैं। हालांकि, कमीशन के चेयरमैन विल शार्फ ने कहा कि पैसों से जुड़ी चिंताएं उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं। प्रोजेक्ट के पक्ष में बोलने वाली अकेली महिला तारा ब्राउन थीं। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को इस तोहफे के लिए शुक्रगुजार होना चाहिए। उनके मुताबिक, सुरक्षा के लिहाज से यह बॉलरूम बहुत जरूरी है और यह लोगों को एक साथ लाने का काम करेगा। कमीशन के पास इस प्रोजेक्ट को लेकर 35,000 से ज्यादा लिखित कमेंट्स आए हैं। इनमें से ज्यादातर लोग ट्रंप के उस प्लान के खिलाफ हैं जिसमें व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग की जगह 90,000 स्क्वायर फुट का नया हिस्सा बनाने की बात कही गई है। ट्रंप ने पिछले साल अक्टूबर में ही ईस्ट विंग को गिरा दिया था। आलोचकों का कहना है कि ट्रंप को मंजूरी मिलने से पहले पुरानी इमारत नहीं गिरानी चाहिए थी। इस मामले में कानूनी लड़ाई भी चल रही है। श्नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशनश ने कोर्ट से इस निर्माण को रोकने की मांग की थी। उनका कहना है कि जब तक कांग्रेस और सरकारी पैनल से मंजूरी न मिल जाए, काम रुकना चाहिए। हालांकि, एक जज ने पिछले हफ्ते इस मांग को खारिज कर दिया। अब यह पैनल 2 अप्रैल को मीटिंग करेगा और प्रोजेक्ट पर अपना आखिरी वोट डालेगा। चेयरमैन विल शार्फ ने कहा कि वे चाहते हैं कि हर किसी को अपनी बात रखने का मौका मिले।

बालेन शाह की पार्टी आरएसपी को शुरुआती रुझानों में मिली बढ़त

काठमांडू , एजेंसी। साल 2025 में जेन–जी के विरोध प्रदर्शन के बाद नेपाल में पहला आम चुनाव हो चुका है। पड़ोसी देश में आज आम चुनाव के परिणाम आने वाले हैं। नेपाल में प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के लिए हुए चुनावों के शुरुआती नतीजे आने शुरू हो गए हैं। इन रुझानों में बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने सबको चौंकाते हुए 23 सीटों पर बढ़त बना ली है। वहीं, देश की पुरानी और बड़ी पार्टियां जैसे नेपाली कांग्रेस और सीपीए–यूएमएल फिलहाल सिर्फ तीन–तीन सीटों पर ही आगे चल रही हैं।

रूसी तेल खरीदना जारी रख सकेगा भारत! अमेरिका ने मॉस्को को दी 30 दिनों की मोहलत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने भारत को समुद्र में फंसे रूसी तेल को खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए यह अस्थायी कदम उठाया गया है। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इस छूट के तहत भारतीय रिफाइनरियां केवल उस रूसी तेल को खरीद सकेंगे, जो पहले से समुद्र में फंसा हुआ है। उन्होंने साफ किया कि यह जानबूझकर कम अवधि की व्यवस्था है और इससे रूसी सरकार को कोई बड़ा वित्तीय लाभ नहीं मिलेगा। अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने इसे एक अस्थायी उपाय बताते हुए कहा कि इससे उस दबाव को कम करने में मदद मिलेगी, जो ईरान की वजह से वैश्विक ऊर्जा बाजार में पैदा हुआ है। इसके साथ ही अमेरिका को उम्मीद है कि भविष्य में भारत अधिक मात्रा में अमेरिकी तेल खरीदेगा। रॉयटर्स के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण पैदा हुए तेल आपूर्ति संकट से निपटने के लिए भारतीय रिफाइनरियां रूसी कच्चे तेल की तुरंत डिलीवरी वाले कार्गो खरीद रहे हैं। इस मामले से जुड़े छह सूत्रों ने बताया कि भारतीय कंपनियां लाखों बैरल रूसी तेल खरीदने की प्रक्रिया में हैं।? पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर पड़ने लगा है। इसी बीच रूस ने भारत को बड़ा आश्वासन दिया है। रूस ने कहा है कि अगर पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो वह भारत को लगभग 95 लाख बैरल कच्चा तेल भेजने के लिए तैयार है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।